प्रेस विज्ञप्ति

वर्षों में विज्ञान ने ही धरती को नुकसान पहुंचाया 300

- **सांची विश्वविद्यालय में आई.आई.टी दिल्ली के प्रो. त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान**
- **'बुद्ध की शिक्षाओं से ही विश्वशांति संभव'**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में "शिक्षा और विचार में स्वावलंबन" विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। आई.आई.टी दिल्ली के फिज़िक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया,स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए ।

एडम जोन्स की किताब '**जिनोसाइड**' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रोज़ों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था क्योंकि किसान, मज़दूर के पास हुनर था। अंग्रेज़ों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोज़गार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेज़ों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेज़ों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे।

अपने विशिष्ट व्याख्यान में गांधीवादी विचारक प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि देश के 88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों को चाहिए कि वो अपने ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें जिन तक ज्ञान पहुंचा ही नहीं। प्रो. वी.के त्रिपाठी ने कहा कि बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था कि अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हिंसाग्रस्त विश्व में शांति के दूत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर शोध और अध्ययन से भारत विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकता है। प्रो त्रिपाठी के मुताबिक सभी धर्मों के मूल पर अध्ययन कर अगर साझा विरासत पर शोध की जाए तो शांति को पुन: स्थापित करने के प्रयास हो सकते हैं।

प्रो. त्रिपाठी पूरे देश में सद्भावना मिशन चलाते हैं और लोगों के बीच गांधीवादी विचारों को बढ़ाने का प्रयास करते हैं। सद्भावना मिशन प्रत्येक रविवार को एक ही दिशा के 4-4 गावों तक मोबाइल लाइब्रेरी के माध्यम से पहुंचते हैं और मुफ्त में गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए पुस्तकें भेंट करते हैं। अगले 15 दिनों में टीम दोबारा उसी गांव में पहुंचती है और पुरानी पुस्तकों के बदले नई पुस्तकें पढ़ने के लिए देती है।

सांची विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित इस विशिष्ट व्याख्यान में सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. के.के पंजाबी ने विदिशा की 81 वर्ष पुरानी सार्वजनिक लाइब्रेरी का उदाहरण भी दिया जहां मात्र 200 रुपए प्रतिमाह पर लोग ज्ञानार्जन कर रहे हैं।

city भास्कर
BHOPAL TUESDAY, 05/02/2019

सिटी एंकर

सांची विश्वविद्यालय में आईआईटी दिल्ली के रिटायर्ड प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का व्याख्यान

खुद गांव-गांव जाकर बच्चों को बांटते हैं किताबें, कहा-

88% बच्चे नहीं पहुंच पाते विश्वविद्यालय तक, छात्र उन्हें पढ़ाएं जिन्हें शिक्षा मुहैया नहीं

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

देश के 88 प्रतिशत बच्चे विवि स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में विवि में अध्ययन कर रहे छात्रों को चाहिए कि वो अपने ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें जिन तक ज्ञान पहुंचा ही नहीं। यह कहना है आईआईटी दिल्ली के प्रो. वीके त्रिपाठी का। प्रो. त्रिपाठी सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में "शिक्षा और विचार में स्वावलंबन" विषय पर बोल रहे थे। यह महज प्रो. त्रिपाठी का बयान नहीं, वो खुद गांव-गांव के बच्चों तक शिक्षा पहुंचा रहे हैं। वह देश में सद्भावना मिशन चलाते हैं, जिसके तहत हर रविवार को एक ही दिशा के 4-4 गावों तक मोबाइल लाइब्रेरी के माध्यम से पहुंचते हैं और बच्चों को फ्री में किताबें देते हैं। अगले 15 दिनों में टीम दोबारा उसी गांव में पहुंचती है और पुरानी किताबों के बदले नई किताबें दे देती है। इस विशिष्ट व्याख्यान में सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. के.के पंजाबी ने विदिशा की 81 वर्ष पुरानी सार्वजनिक लाइब्रेरी का उदाहरण दिया जहां मात्र 200 रुपए प्रतिमाह पर लोग किताबें पढ़ सकते हैं।

विज्ञान ने हमें कई नए आयाम दिए और दो वर्ल्ड वार भी इसी की देन हैं

फिजिक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा- पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया,स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए ।

किताब का हवाला- ब्रिटिशराज के पहले अकाल नहीं पड़ता था

एडम जोन्स की किताब 'जिनोसाइड' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेजों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था क्योंकि किसान, मजदूर के पास हुनर था। अंग्रेजों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोजगार बना दिया।

सत्य को जनविरोधी कार्यों के खिलाफ हथियार बनाओ

अंग्रेजों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेजों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे। बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था- अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें। हिंसाग्रस्त विश्व में शांति के दूत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर शोध और अध्ययन से भारत विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकता है। सभी धर्मों के मूल पर अध्ययन कर अगर साझा विरासत पर शोध की जाए तो शांति को पुनः स्थापित करने के प्रयास हो सकते हैं।

जागरण Lake सिटी
5 फरवरी, 2019

सांची विश्वविद्यालय में आईआईटी दिल्ली के प्रो. त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान

300 वर्षों में विज्ञान ने ही धरती को नुकसान पहुंचाया

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 'शिक्षा और विचार में स्वावलंबन' विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। आईआईटी दिल्ली के फिजिक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया,स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए । एडम जोन्स की किताब 'जिनोसाइड' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेजों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था क्योंकि किसान, मजदूर के पास हुनर था। अंग्रेजों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोजगार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेजों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्य
Sanchi University of Buddhi
niversity of Bu

88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक नहीं पहुंच पाते

अपने विशिष्ट व्याख्यान में गांधीवादी विचारक प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि देश के 88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों को चाहिए कि वो अपने ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें जिन तक ज्ञान पहुंचा ही नहीं। प्रो. वी.के त्रिपाठी ने कहा कि बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था कि अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हिंसाग्रस्त विश्व में शांति के दूत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर शोध और अध्ययन से भारत विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकता है।

रायसेन जिला हरिभूमि

विदिशा-रायसेन भूमि 07-02-2019

'अगर साझा विरासत पर शोध की जाए तो शांति को पुनः स्थापित कर सकते हैं'

खास बातें

- सांची विश्वविद्यालय में आईआईटी दिल्ली के प्रो. त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान
- गांधीवादी विचारधारा को बढ़ाने सदभावना मिशन चला रहे प्रो. त्रिपाठी
- गौतम बौद्ध के शांति संदेश विश्व को दिखा सकते है शांति का मार्ग

भोपाल, रविवार 27 नवंबर 2016

बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में व्याखान देते वीके त्रिपाठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांची

बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में शिक्षा और विचार में स्वावलंबन विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। आईआईटी दिल्ली के फिजिक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया,स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया, लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए।

एडम जोन्स की किताब 'जिनोसाइड' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेजों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था, क्योंकि किसान, मजदूर के पास हुनर था। अंग्रेजों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोजगार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेजों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे।प्रो. वी.के त्रिपाठी ने कहा कि बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था कि अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हिंसाग्रस्त विश्व मे शांति के दूत गौतम बुद्ध की शिक्षाअ पर शोध और अध्ययन से भारत विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकत है। प्रो. त्रिपाठी पूरे देश में सद्भावन मिशन चलाते हैं और लोगों के बीच गांधीवादी विचारों को बढ़ाने क प्रयास करते हैं। सद्भावना मिशन प्रत्येक रविवार को एक ही दिशा के 4-4 गावों तक मोबाइल लाइब्रेरी के माध्यम से पहुंचते हैं और मुफ्त म गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए पुस्तकें भेंट करते हैं। सांची विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित इस विशिष्ट व्याख्यान में सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. केके पंजाबी ने विदिशा की 81 वर्ष पुरानी सार्वजनिक लाइब्रेरी क उदाहरण भी दिया।

दैनिक जागरण रायसेन
भोपाल, 5 फरवरी 2019

300 वर्षों में विज्ञान ने ही धरती को नुकसान पहुंचाया

सांची विश्वविद्यालय में आईआईटी दिल्ली के प्रो. त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान

जागरण, रायसेन

Sanchi University of Buddhist-Indic
niversity of Buddhis

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में शिक्षा और विचार में स्वावलंबन विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। आई.आई.टी दिल्ली के फिजिक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया,स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए।

एडम जोन्स की किताब 'जिनोसाइड' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेज़ों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था क्योंकि किसान, मज़दूर के पास हुनर था। अंग्रेज़ों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोज़गार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेज़ों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेज़ों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे। अपने विशिष्ट व्याख्यान में गांधीवादी विचारक प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि देश के 88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों को चाहिए कि वो अपने ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें जिन तक ज्ञान पहुंचा ही नहीं। प्रो. वी.के त्रिपाठी ने कहा कि बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था कि अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हिंसाग्रस्त विश्व में शांति के दूत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर शोध और अध्ययन से भारत विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकता है। प्रो त्रिपाठी के मुताबिक सभी धर्मों के मूल पर अध्ययन कर अगर साझा विरासत पर शोध की जाए तो शांति को पुनः स्थापित करने के प्रयास हो सकते हैं। प्रो. त्रिपाठी पूरे देश में सद्भावना मिशन चलाते हैं और लोगों के बीच गांधीवादी विचारों को बढ़ाने का प्रयास करते हैं। सद्भावना मिशन प्रत्येक रविवार को एक ही दिशा के 4-4 गावों तक मोबाइल लाइब्रेरी के माध्यम से पहुंचते हैं और मुफ्त में गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए पुस्तकें भेंट करते हैं। अगले 15 दिनों में टीम दोबारा उसी गांव में पहुंचती है और पुरानी पुस्तकों के बदले नई पुस्तकें पढ़ने के लिए देती है। सांची विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित इस विशिष्ट व्याख्यान में सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. के.के पंजाबी ने विदिशा की 81 वर्ष पुरानी सार्वजनिक लाइब्रेरी का उदाहरण भी दिया जहां मात्र 200 रुपए प्रतिमाह पर लोग ज्ञानार्जन कर रहे हैं।

नवदुनिया सिटी
विदिशा
रायसेन
मंगलवार 05 फरवरी 2019

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में व्याख्यान देते हुए प्रो. त्रिपाठी।

'तीन सौ वर्षों में विज्ञान ने ही धरती को नुकसान पहुंचाया'

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में शिक्षा और विचार में स्वावलंबन विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। फिजिक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया, स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए।

एडम जोन्स की किताब 'जिनोसाइड' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रजों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था क्योंकि किसान, म?दूर के पास हुनर था। अंग्रेजों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरो?गार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेजों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे। उन्होंने कहा कि देश के 88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों को चाहिए कि वो अपने ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें जिन तक ज्ञान पहुंचा ही नहीं।

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था कि अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हिंसाग्रस्त विश्व में शांति के दूत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर शोध और अध्ययन से भारत विश्व को शांति का मार्ग दिखा सकता है। प्रो त्रिपाठी के मुताबिक सभी धर्मों के मूल पर अध्ययन कर अगर साझा विरासत पर शोध की जाए तो शांति को पुन: स्थापित करने के प्रयास हो सकते हैं। प्रो. त्रिपाठी पूरे देश में सद्भावना मिशन चलाते हैं और लोगों के बीच गांधीवादी विचारों को बढ़ाने का प्रयास करते हैं। सद्भावना मिशन प्रत्येक रविवार को एक ही दिशा के 4-4 गावों तक मोबाइल लाइब्रेरी के माध्यम से पहुंचते हैं और मुफ्त में गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए पुस्तकें भेंट करते हैं। अगले 15 दिनों में टीम दोबारा उसी गांव में पहुंचती है और पुरानी पुस्तकों के बदले नई पुस्तकें पढ़ने के लिए देती है। सांची विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित इस विशिष्ट व्याख्यान में सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. के.के पंजाबी ने विदिशा की 81 वर्ष पुरानी सार्वजनिक लाइब्रेरी का उदाहरण भी दिया जहां मात्र 200 रुपए प्रतिमाह पर लोग ज्ञानार्जन कर रहे हैं।

रायसेन पत्रिका
मंगलवार, 05 फरवरी, 2019

बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में कार्यक्रम

300 वर्षों में विज्ञान ने ही पहुंचाया धरती को नुकसान

सांची विश्वविद्यालय में आईआईटी दिल्ली के प्रो. त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में शिक्षा और विचार में स्वावलंबन विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया, स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया, लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए।एडम जोन्स की किताब जिनोसाइड का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेजों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था, क्योंकि किसान, मजदूर के पास हुनर था।

तकनीक के नाम पर बेरोजगार बना दिया

अंग्रेजों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोजगार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे, लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेजों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे। त्रिपाठी ने कहा कि देश के 88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्रों को चाहिए कि वो अपने ज्ञान को उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें, जिन तक ज्ञान पहुंचा ही नहीं।

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन
डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233
न दबाव, न भेदभाव
राष्ट्रीय हिन्दी मेल
भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-23 अंक- 101 www.rashtriyahindimail.in भोपाल, मंगलवार 5 फरवरी 2019 vijaydas@rashtriyahindimail.in पृष्ठ-12 मूल्य ₹ 3.50

राष्ट्रीय हिन्दी
साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन वि
Sanchi University of Buddhist-Ind
बारला, राज्य मार्ग 86, जिला
Barla, NH 86, Dis
niversity of Buddh

300 वर्षों में निरंतर आगे बढ़ा विज्ञान लेकिन धरती को हुआ नुकसान

सांची विश्वविद्यालय में हुआ आईआईटी दिल्ली के प्रो. त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान

रायसेन, 4 फरवरी। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में शिक्षा और विचार में स्वावलंबन विषय पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वीके त्रिपाठी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ।

आईआईटी दिल्ली के फिज़िक्स विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि पिछ्ले 300 सालों में धरती को सबसे ज्यादा नुकसान विज्ञान ने ही पहुंचाया है। बुद्ध और गांधी के विचारों से प्रभावित प्रो.त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान ने भले ही नए आयाम पैदा किए, उत्पादन बढ़ाया, स्वास्थ्य और संचार बढ़ाया लेकिन विज्ञान की तकनीकों के कारण दो वर्ल्ड वॉर और बाद में कई देशों में लाखों लोग मारे गए। एडम जोन्स की किताब जिनोसाइड का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अंग्रेजों के शासन से पहले अकाल नहीं पड़ता था क्योंकि किसान, मज़दूर के पास हुनर था और फिर अंग्रेज़ों ने आकर देश के लोगों को वैज्ञानिक तकनीक सिखाने के नाम पर बेरोज़गार बना दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेज़ों के भारत आने से पहले देश में सौहार्द था, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते थे लेकिन 1857 की क्रांति के बाद ही अंग्रेज़ों ने देश में विभाजन के बीज बोने शुरू कर दिए थे। वहीं गांधीवादी विचारक प्रो.त्रिपाठी ने कहा कि देश के 88 प्रतिशत बच्चे विश्वविद्यालय स्तर तक की पढ़ाई तक पहुंच ही नहीं पाते। उन्होनें ने कहा कि बुद्ध ने 2500 साल पहले कहा था कि अगर आपके पास सत्य है तो इसको हथियार बनाते हुए जनविरोधी कार्यों को रोकने का भरसक प्रयास करें।

कार्यशाला का आयोजन

रायसेन। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में आज प्रात: 10.30 बजे से अनुसूचित जाति तथा जनजाति के उद्यमियों के लिए मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा नि:शुल्क कार्यशाला आयोजित की गई है। इस कार्यशाला में सामान्य प्रबंधन, गुणवत्ता प्रबंधन, व्यवसायियों के लिए ऋण आदि के बारे में प्रशिक्षण एवं जानकारी दी जाएगी।

प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल उत्सव

- 07-08 फरवरी, 2018 को होंगे विभिन्न इवेंट
- इस वर्ष क्रिकेट को किया गया वार्षिक खेलों में शामिल
- टीटी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स के इवेंट
- रस्साकशी का भी रोचक मुक़ाबले होंगे

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव आज से प्रारंभ हो रहे हैं। आज प्रात: 11 बजे संस्कृति विभाग की सचिव एवं विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी बारला, रायसेन स्थित विश्वविद्यालय खेल मैदान में इस खेलोत्सव का शुभारंभ करेंगी। वार्षिक खेलों के अंतर्गत इंडोर और आउटडोर खेलों के 8 विभिन्न इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं। क्रिकेट को पहली बार विश्वविद्यालय के खेलोत्सव में सम्मिलित किया गया है।

यह लगातार तीसरा वर्ष है जब विश्वविद्यालय में सालाना खेलों का आयोजन किया जा रहा है। दो दिनों तक लगातार टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, क्रिकेट और रस्साकशी के खेल आयोजित किए जाएंगे।एम.ए, एम.फिल, पी.एच.डी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र इस खेल उत्सव में सम्मिलित हो रहे हैं।

क्रिकेट में विश्वविद्यालय के सभी विभागों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। योग और चीनी विभाग की एक-एक टीम। भारतीय दर्शन, हिंदी और अंग्रेज़ी विभागों को मिलाकर तीसरी टीम...जबकि संस्कृत, वैदिक अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा इंडियन पेंटिंग विभागों को मिलकर चौथी टीम का गठन किया गया है। क्रिकेट के मुक़ाबले लगातार 2 दिनों तक विश्वविद्यालय परिसर के क्रिकेट मैदान पर चलेंगे। हर बार की तरह ही सबसे रोचक मुक़ाबले रस्साकशी के होते हैं जिसमें छात्रों के अलावा शिक्षक और कर्मचारी भी हिस्सा लेते हैं।

विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी शुभारंभ अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं को खेलों के प्रारंभ होने से पहले शपथ भी दिलाएंगी। पिछले वर्षों की ही तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आपसी समन्वय स्थापित कर टीम वर्क तथा स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए वार्षिक खेल आयोजित किए गए हैं।

वार्षिक खेलों के सम्नवयक और विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक(खेल) श्री विवेक पांडे ने बताया कि प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय में एक-एक खेल बढ़ाया जा रहा है और आगामी वर्षों में लॉन टैनिस जैसे इवेंट भी जोड़े जा सकते हैं।

खेल इस प्रकार आयोजित किए जाएंगे-

क्र.	खेल	वर्ग	सिंगल/डबल
1.	टेबल टेनिस	छात्र/छात्राएं	सिंगल्स
2.	कैरम	छात्र/छात्राएं	सिंगल्स/डबल्स
3.	चैस	छात्र/छात्राएं	सिंगल
4.	बैडमिंटन	छात्र/छात्राएं	सिंगल्स/डबल्स
5.	वॉलीबॉल	टीम इवेंट	टीम इवेंट
6.	एथलेटिक्स 100 मीटर (स्प्रिंट)	छात्र/छात्राएं	एकल इवेंट
7.	क्रिकेट	मिक्स वर्ग	टीम इवेंट
8.	रस्साकशी	मिक्स वर्ग	टीम इवेंट

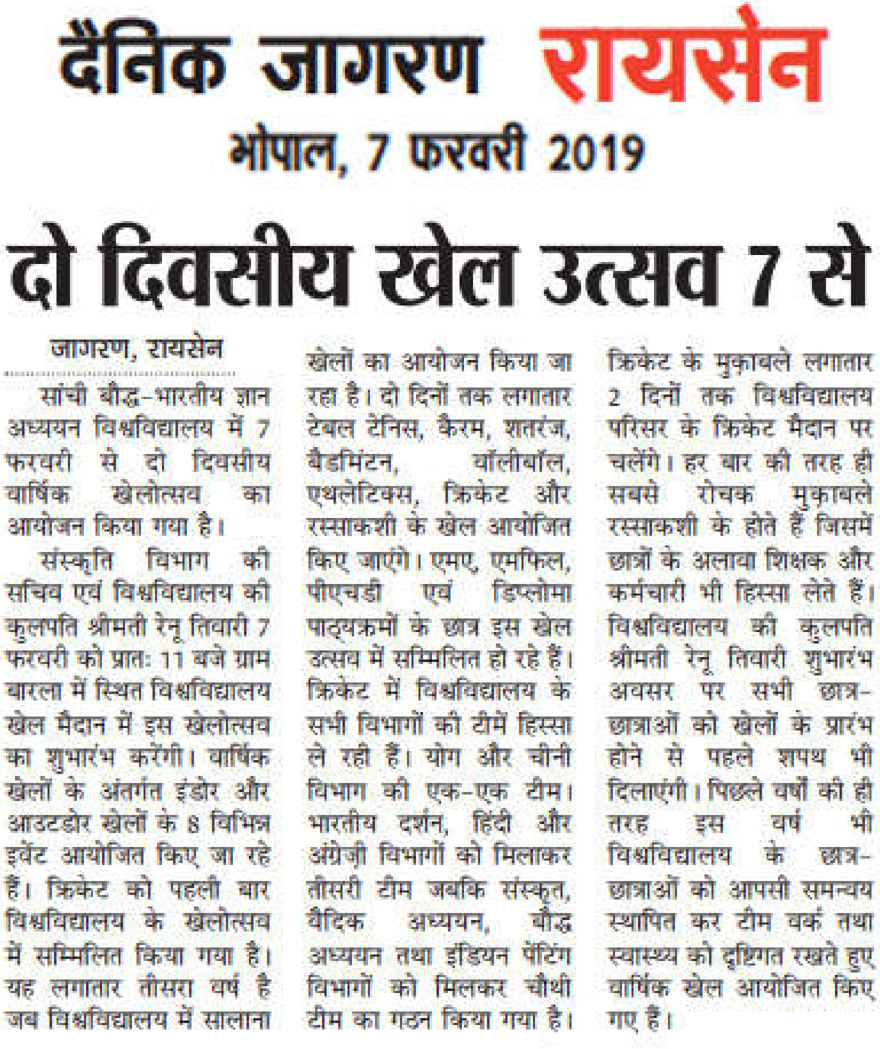

दैनिक जागरण रायसेन

भोपाल, 7 फरवरी 2019

दो दिवसीय खेल उत्सव 7 से

जागरण, रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 7 फरवरी से दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का आयोजन किया गया है।

संस्कृति विभाग की सचिव एवं विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी 7 फरवरी को प्रातः 11 बजे ग्राम बारला में स्थित विश्वविद्यालय खेल मैदान में इस खेलोत्सव का शुभारंभ करेंगी। वार्षिक खेलों के अंतर्गत इंडोर और आउटडोर खेलों के 8 विभिन्न इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं। क्रिकेट को पहली बार विश्वविद्यालय के खेलोत्सव में सम्मिलित किया गया है। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब विश्वविद्यालय में सालाना खेलों का आयोजन किया जा रहा है। दो दिनों तक लगातार टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, क्रिकेट और रस्साकशी के खेल आयोजित किए जाएंगे। एमए, एमफिल, पीएचडी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र इस खेल उत्सव में सम्मिलित हो रहे हैं। क्रिकेट में विश्वविद्यालय के सभी विभागों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। योग और चीनी विभाग की एक-एक टीम। भारतीय दर्शन, हिंदी और अंग्रेजी विभागों को मिलाकर तीसरी टीम जबकि संस्कृत, वैदिक अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा इंडियन पेंटिंग विभागों को मिलकर चौथी टीम का गठन किया गया है। क्रिकेट के मुकाबले लगातार 2 दिनों तक विश्वविद्यालय परिसर के क्रिकेट मैदान पर चलेंगे। हर बार की तरह ही सबसे रोचक मुकाबले रस्साकशी के होते हैं जिसमें छात्रों के अलावा शिक्षक और कर्मचारी भी हिस्सा लेते हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी शुभारंभ अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं को खेलों के प्रारंभ होने से पहले शपथ भी दिलाएंगी। पिछले वर्षों की ही तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आपसी समन्वय स्थापित कर टीम वर्क तथा स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए वार्षिक खेल आयोजित किए गए हैं।

रायसेन पत्रिका

गुरुवार, 07 फरवरी, 2019

सांची विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल उत्सव आज से

आज सुबह 11 बजे संस्कृति विभाग की सचिव एवं कुलपति रेनू तिवारी करेंगी शुभारंभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव आज से प्रारंभ हो रहे हैं। इस कार्यक्रम का आज सुबह 11 बजे संस्कृति विभाग की सचिव एवं विश्वविद्यालय की कुलपति रेनू तिवारी विश्वविद्यालय खेल मैदान में खेलोत्सव का शुभारंभ करेंगी। वार्षिक खेलों के अंतर्गत इंडोर और आउटडोर खेलों के 8 विभिन्न इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं। क्रिकेट को पहली बार विश्वविद्यालय के खेलोत्सव में सम्मिलित किया गया है।

यह लगातार तीसरा वर्ष है, जब विश्वविद्यालय में सालाना खेलों का आयोजन किया जा रहा है। दो दिनों तक लगातार टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, क्रिकेट और रस्साकशी के खेल आयोजित किए जाएंगे। एमए, एमफिल, पीएचडी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र इस खेल उत्सव में शामिल होंगे।

क्रिकेट में विश्वविद्यालय के सभी विभागों की टीमें हिस्सा लेंगी। योग और चीनी विभाग की एक-एक टीम। भारतीय दर्शन, हिंदी और अंग्रेज़ी विभागों को मिलाकर तीसरी टीम जबकि संस्कृत, वैदिक अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा इंडियन पेंटिंग विभागों को मिलकर चौथी टीम का गठन किया गया है।

क्रिकेट के मुकाबले लगातार 2 दिनों तक विश्वविद्यालय परिसर के क्रिकेट मैदान पर चलेंगे। हर बार की तरह ही सबसे रोचक मुकाबले रस्साकशी के होंगे, जिसमें छात्रों के अलावा शिक्षक और कर्मचारी भी हिस्सा लेंगे।

[illegible]

डाक पंजीयन म.प्र./भोपाल/4-233/2017-19
न दबाव, न भेदभाव

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-23 अंक- 103 www rashtriyahindimail.in भोपाल, गुरुवार 7 फरवरी 2019 vijaydas@rashtriyahindimail.in पृष्ठ-12 मूल्य ₹ 3.50

खेलों को बढ़ावा देने पिछले तीन वर्ष से लगातार विश्वविद्यालय में हो रही प्रतियोगिताएं

सांची विवि में दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव आज से

रायसेन, 6 फरवरी। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 07 फरवरी से दो दिवसीय वार्षिक खेलोत्सव का आयोजन किया गया है। संस्कृति विभाग की सचिव एवं विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी 7 फरवरी को प्रात: 11 बजे ग्राम बारला में स्थित विश्वविद्यालय खेल मैदान में इस खेलोत्सव का शुभारंभ करेंगी।

वार्षिक खेलों के अंतर्गत इंडोर और आउटडोर खेलों के 8 विभिन्न इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं। क्रिकेट को पहली बार विश्चविद्यालय के खेलोत्सव में सम्मिलित किया गया है। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब विश्वविद्यालय में सालाना खेलों का आयोजन किया जा रहा है। दो दिनों तक लगातार टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, क्रिकेट और रस्साकशी के खेल आयोजित किए जाएंगे। एम.ए, एम.फिल, पी.एच.डी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र इस खेल उत्सव में सम्मिलित हो रहे हैं। क्रिकेट में विश्वविद्यालय के सभी विभागों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। योग और चीनी विभाग की एक-एक टीम। भारतीय दर्शन, हिंदी और अंग्रेजी विभागों को मिलाकर तीसरी टीम जबकि संस्कृत, वैदिक अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा इंडियन पेंटिंग विभागों को मिलकर चौथी टीम का गठन किया गया है। क्रिकेट के मुकाबले लगातार 2 दिनों तक विश्वविद्यालय परिसर के क्रिकेट मैदान पर चलेंगे। हर बार की तरह ही सबसे रोचक मुक़ाबले रस्साकशी के होते हैं जिसमें छात्रों के अलावा शिक्षक और कर्मचारी भी हिस्सा लेते हैं।

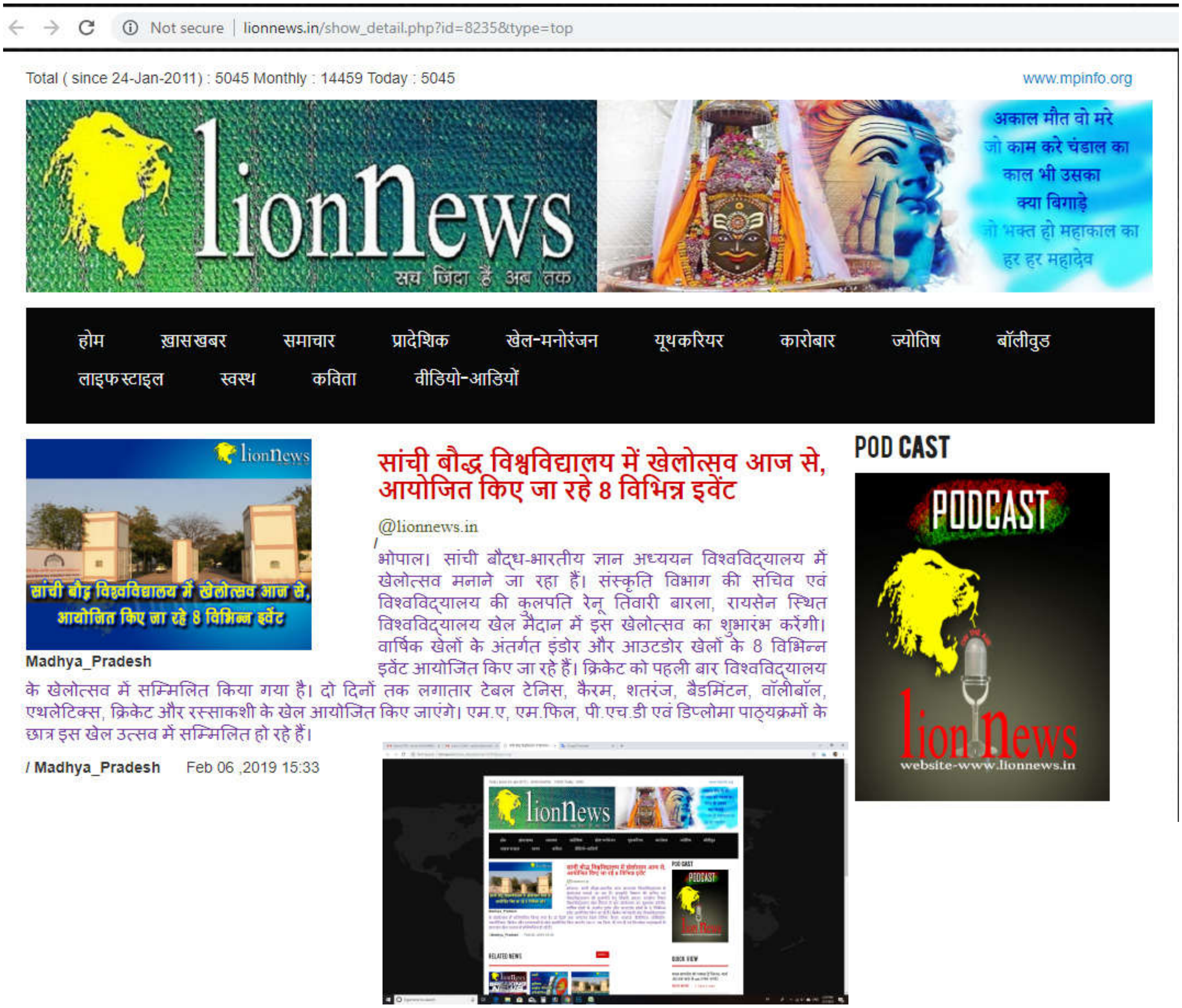
Not secure
lionnews.in/show_detail.php?id=8235&type=top
www.mpinfo.org
lionNews
सच जिंदा हैं अब तक
अकाल मौत वो मरे
जो काम करे चंडाल का
काल भी उसका
क्या बिगाड़े
जो भक्त हो महाकाल का
हर हर महादेव
होम
ख़ासखबर
समाचार
प्रादेशिक
खेल-मनोरंजन
यूथकरियर
कारोबार
ज्योतिष
बॉलीवुड
लाइफस्टाइल
स्वस्थ
कविता
वीडियो-आडियों
POD CAST
PODCAST
lion News
website-www.lionnews.in

Total (since 24-Jan-2011) : 5045 Monthly : 14459 Today : 5045

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में खेलोत्सव आज से, आयोजित किए जा रहे 8 विभिन्न इवेंट

@lionnews.in

/

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में खेलोत्सव मनाने जा रहा हैं। संस्कृति विभाग की सचिव एवं विश्वविद्यालय की कुलपति रेनू तिवारी बारला, रायसेन स्थित विश्वविद्यालय खेल मैदान में इस खेलोत्सव का शुभारंभ करेंगी। वार्षिक खेलों के अंतर्गत इंडोर और आउटडोर खेलों के 8 विभिन्न इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं। क्रिकेट को पहली बार विश्वविद्यालय के खेलोत्सव में सम्मिलित किया गया है। दो दिनों तक लगातार टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, क्रिकेट और रस्साकशी के खेल आयोजित किए जाएंगे। एम.ए, एम.फिल, पी.एच.डी एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र इस खेल उत्सव में सम्मिलित हो रहे हैं।

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में खेलोत्सव आज से, आयोजित किए जा रहे 8 विभिन्न इवेंट

Madhya_Pradesh

/ Madhya_Pradesh Feb 06 ,2019 15:33

प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेलों का शुभारंभ

- **कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी ने बैडमिंटन खेलकर किया शुभारंभ**
- **"पुरुषों से अधिक महिलाओं को खेलों में भागीदारी करनी चाहिए"- कुलपति**
- **'छात्रों को सपने ज़रूर देखने चाहिए'- कुलपति**
- **खेलों से सुरक्षा और आत्मबल पैदा होता है- डॉ मेहता**
- **प्रथम दिवस शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और क्रिकेट के मुकाबले हुए**
- **रस्साकशी का रोचक खेल रहेगा सबका आकर्षण**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में तृतीय वार्षिक खेलों के पहले दिन कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। संस्कृति विभाग की सचिव तथा विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी ने वार्षिक खेलों का शुभारंभ खिलाड़ियों को शपथ एवं बेडमिंटन खेलकर की।

कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण के ज़रिए छात्रों में जोश भर दिया। उन्होने कहा कि छात्र के जीवन में पढ़ने से ज़्यादा खेल ज़रूरी हैं, क्योंकि पढ़ाई करने से सिर्फ बौद्धिक विकास होता है जबकि खेलों से संपूर्ण विकास होता है। श्रीमति तिवारी ने छात्रों से ज्यादा छात्राओं को खेलों में हिस्सा लेने की वकालत करते हुए तर्क दिया कि मज़बूत देश के लिए आवश्यक है कि उसकी 50 प्रतिशत महिला आबादी भी सशक्त और मज़बूत हो।

विश्वविद्यालय के छात्रों से कुलपति महोदया ने कहा कि वे सपने ज़रूर देखें और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें। श्रीमती रेनू तिवारी ने का कि छात्र डट कर अपनी पढ़ाई भी करें और देश के अच्छे नागरिक बनें क्योंकि अगर पढ़ाई-लिखाई करने के बाद भी व्यक्ति के अंदर तमीज़, मूल्य और अनुशासन नहीं आ पाए तो उनका पढ़ना बेकार है। डीन डॉ. नवीन मेहता ने कहा कि खेलों से सुरक्षा और आत्मबल है इसलिए हर छात्र को चाहिए कि वो मैदान पर जमकर खेले।

पहले दिन विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और क्रिकेट के मुक़ाबले आयोजित किए गए। छात्रों के शतरंज के मुक़ाबले में चीनी भाषा विभाग के आदित्य ने वैदिक विभाग के नितिन कुमार को हराया जबकि योग विभाग के मोहित कोष्टा ने भारतीय दर्शन विभाग के विनय तिवारी को हराया।

छात्राओं के चेस मुकाबलों में अंग्रेज़ी विभाग की छात्रा मुस्कान सोलंकी ने चीनी भाषा विभाग की निधि को हराया वहीं वैदिक विभाग की दूसरी छात्रा श्वेता योग विभाग की छात्रा नम्रता चौहान से हार गईं।

शतरंज के कल सेमीफाइनल और फाइनल मुक़ाबले होंगे। छात्र वर्ग में कैरम डबल्स के नॉकआउट मुकाबलों में चीनी विभाग के नानो सिंह और मायारशंग की जोड़ी ने हिंदी और भारतीय दर्शन विभाग के छात्रों अशोक तथा प्रमोद की जोड़ी को हरा दिया। दूसरे डबल्स मुकाबले में भारतीय चित्रकला

और वैदिक विभाग के सौरभ मंडल और दीपक आर्य की टीम ने योग विभाग के शिवांश और प्रशांत की टीम को हरा दिया।

छात्राओं के कैरम के डबल्स मुक़ाबलों में योग विभाग की आकांक्षा और श्वेता की जोड़ी ने अंग्रेज़ी विभाग की छात्राओं सुरभि राठौर और सौम्या तिवारी की जोड़ी को हरा दिया। दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा विभाग की निधि और अंशू की जोड़ी ने योग विभाग की मेघा और नेहा की जोड़ी को अपने आगे टिकने न दिया।

कैरम के मिक्स डबल्स मुकाबलों में योग विभाग के प्रशांत और नम्रता की जोड़ी ने हिंदी और अंग्रेज़ी विभाग के रजत शर्मा और सौम्या तिवारी की जोड़ी को हरा दिया। भारतीय दर्शन के छात्र सौरभ और योग विभाग की आकांक्षा की जोड़ी ने चीनी भाषा विभाग के राहुल और अंशू की जोड़ी को हरा कर मुकाबला जीता। तीनों ही वर्ग में कैरम के कल फाइनल मुकाबले होंगे।

छात्रों के टेबिल टेनिस के एकल मुकाबले में संयुक्त टीम के आमिर अहमद खान ने चीनी भाषा के छात्र रश्मि रंजन को हराया जबकि दूसरे मुकाबले में योग विभाग के आयुष आचार्य ने संस्कृत विभाग के अविनाश को हरा दिया।

छात्राओं के **टेबिल टेनिस** के एकल मुकाबलों में संयुक्त टीम की छात्रा नताशा ने चीनी भाषा विभाग की सिमरन को और दूसरे मुकाबले में योग विभाग की मीना ने संस्कृत विभाग की श्वेता को हराया। कल टेबिल टेनिस के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे।

टीम इवेंट में पहले दिन **वॉलीबॉल** के दो मुकाबले हुए। संस्कृत विभाग की टीम ने संयुक्त टीम को हरा दिया जबकि दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा की टीम ने रोचक मुकाबले में योग विभाग की टीम को हराया। पहले दिन **क्रिकेट** का एक मात्र मैच चीनी भाषा और संस्कृत भाषा की टीमों के मध्य खेला गया।

रायसेन भास्कर
भोपाल | शुक्रवार 08 फरवरी, 2019

मज़बूत देश के लिए 50% महिलाओं का सशक्त होना जरूरी

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययनविवि में तीसरे वार्षिक खेलों के शुभारंभ पर बोलीं कुलपति रेनू तिवारी

भास्कर संवाददाता| रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में तीसरे वार्षिक खेलों के पहले दिन कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। संस्कृति विभाग की सचिव तथा विश्वविद्यालय की कुलपति रेनू तिवारी ने वार्षिक खेलों का शुभारंभ खिलाड़ियों को शपथ एवं बेडमिंटन खेलकर की।

कुलपति रेनू तिवारी ने कहा कि छात्र के जीवन में पढ़ने से ज्यादा खेल ज़रूरी हैं, क्योंकि पढ़ाई करने से सिर्फ बौद्धिक विकास होता है जबकि खेलों से संपूर्ण विकास होता है। उन्होंने कहा कि मजबूत देश के लिए आवश्यक है कि उसकी 50 प्रतिशत महिला आबादी भी सशक्त और मजबूत हो। डीन डॉ नवीन मेहता ने कहा कि खेलों से सुरक्षा और आत्मबल है । इसलिए हर छात्र को चाहिए कि वो मैदान पर जमकर खेले।

शंतरज में अंग्रेजी विभाग ने चीनी का हराया:छात्राओं के चेस मुकाबलों में अंग्रेज़ी विभाग की छात्रा मुस्कान सोलंकी ने चीनी भाषा विभाग की निधि को हराया वहीं वैदिक विभाग की दूसरी छात्रा श्वेता योग विभाग की छात्रा नम्रता चौहान से हार गईं। शतरंज के कल सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। छात्र वर्ग में कैरम डबल्स के नॉकआउट मुकाबलों में चीनी विभाग के नानो सिंह और मायारशंग की जोड़ी ने हिंदी और भारतीय दर्शन विभाग के छात्रों अशोक तथा प्रमोद की जोड़ी को हरा दिया। दूसरे डबल्स मुकाबले में भारतीय चित्रकला और वैदिक विभाग के सौरभ मंडल और दीपक आर्य की टीम ने योग विभाग के शिवांश और प्रशांत की टीम को हरा दिया।

कुलपति रेनू तिवारी विजेता टीम के साथ खुशियां मनाती हुईं।

योग विभाग की टीम

कैरम के डबल्स मुकाबलों में योग विभाग की आकांक्षा और श्वेता की जोड़ी ने अंग्रेज़ी विभाग की छात्राओं सुरभि राठौर और सौम्या तिवारी की जोड़ी को हरा दिया। दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा विभाग की निधि और अंशू की जोड़ी ने योग विभाग की मेघा और नेहा की जोड़ी को अपने आगे टिकने नहीं दिया। कैरम के मिक्स डबल्स मुकाबलों में योग विभाग के प्रशांत और नम्रता की जोड़ी ने हिंदी और अंग्रेज़ी विभाग के रजत शर्मा और सौम्या तिवारी की जोड़ी को हरा दिया।

टेबिल- टेनिस

छात्रों के टेबल टेनिस के एकल मुकाबले में संयुक्त टीम के आमिर अहमद खान ने चीनी भाषा के छात्र रश्मि रंजन को हराया जबकि दूसरे मुकाबले में योग विभाग के आयुष आचार्य ने संस्कृत विभाग के अविनाश को हरा दिया।
छात्राओं के टेबल टेनिस के एकल मुकाबलों में संयुक्त टीम की छात्रा नताशा ने चीनी भाषा विभाग की सिमरन को और दूसरे मुकाबले में योग विभाग की मीना ने संस्कृत विभाग की श्वेता को हराया। शुक्रवार को टेबल टेनिस के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे।
चीनी विभाग की टीम ने जीता वॉलीबाल का मैच: टीम इवेंट में पहले दिन वॉलीबॉल के दो मुकाबले हुए। संस्कृत विभाग की टीम ने संयुक्त टीम को हरा दिया जबकि दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा की टीम ने रोचक मुकाबले में योग विभाग की टीम को हराया। पहले दिन क्रिकेट का एक मात्र मैच चीनी भाषा और संस्कृत भाषा की टीमों के बीच खेला गया।

---

16 नवदुनिया
भोपाल, शुक्रवार 08 फरवरी 2019
रायसेन जिला

वार्षिक खेल पहले दिन शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और क्रिकेट आदि के मुकाबले हुए, खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

पुरुषों से अधिक महिलाओं को खेलों में भागीदारी करनी चाहिए-कुलपति

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में तृतीय वार्षिक खेलों के पहले दिन कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। संस्कृति विभाग की सचिव तथा विश्वविद्यालय की कुलपति रेनू तिवारी ने वार्षिक खेलों का शुभारंभ खिलाड़ियों को शपथ एवं बैडमिंटन खेलकर की।

कु लपति रेनू तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उन्होंने कहा कि छात्र के जीवन में पढ़ने से ज्यादा खेल जरुरी है क्योंकि पढ़ाई करने से सिर्फ बौद्धिक विकास होता है, जबकि खेलों से संपूर्ण विकास होता है। श्रीमति तिवारी ने छात्रों से ज्यादा छात्राओं को खेलों में हिस्सा लेने की वकालत करते हुए तर्क दिया कि मजबूत देश के लिए आवश्यक है कि उसकी 50 प्रतिशत महिला आबादी भी सशक्त और मजबूत हो। विश्वविद्यालय के छात्रों से कुलपति ने कहा कि वे सपने जरुर देखें और उन्हें पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें।

रायसेन। कुलपति ने बैडमिंटन खेलकर किया शुभारंभ।

उन्होंने कहा कि छात्र डट कर अपनी पढ़ाई भी करें और देश के अच्छे नागरिक बनें क्योंकि अगर पढ़ाई-लिखाई करने के बाद भी व्यक्ति के अंदर तमी, मूल्य और अनुशासन नहीं आ पाए तो उनका पढ़ना बेकार है। डीन डॉ. नवीन मेहता ने कहा कि खेलों से सुरक्षा और आत्मबल है इसलिए हर छात्र को चाहिए कि वो मैदान पर जमकर खेले। पहले दिन विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और क्रिकेट के मुक़ाबले आयोजित किए गए। छात्रों के शतरंज के मुक़ाबले में चीनी भाषा विभाग के आदित्य ने वैदिक विभाग के नितिन कुमार को हराया, जबकि योग विभाग के मोहित कोष्टा ने भारतीय दर्शन विभाग के विनय तिवारी को हराया। छात्राओं के चेस मुकाबलों में अंग्रेजी विभाग की छात्रा मुस्कान सोलंकी ने चीनी भाषा विभाग की निधि को हराया। वहीं वैदिक विभाग की दूसरी छात्रा श्वेता योग विभाग की छात्रा नम्रता चौहान से हार गई। शतरंज के शुक्रवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुक़ाबले होंगे।

छात्र वर्ग में कै रम डबल्स के नॉकआउट मुकाबलों में चीनी विभाग के नानो सिंह और मायारशंग की जोड़ी ने हिंदी और भारतीय दर्शन विभाग के छात्रों अशोक तथा प्रमोद की जोड़ी को हरा दिया। दूसरे डबल्स मुकाबले में भारतीय चित्रकला और वैदिक विभाग के सौरभ मंडल और दीपक आर्य की टीम ने योग विभाग के शिवांश और प्रशांत की टीम को हरा दिया।

छात्राओं के कै रम के डबल्स मुकाबलों में योग विभाग की आकांक्षा और श्वेता की जोड़ी ने अंग्रेे विभाग की छात्राओं सुरभि राठौर और सौम्या तिवारी की जोड़ी को हरा दिया। दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा विभाग की निधि और अंशू की जोड़ी ने योग विभाग की मेघा और नेहा की जोड़ी को अपने आगे टिकने न दिया। कैरम के मिक्स डबल्स मुकाबलों में योग विभाग के प्रशांत और नम्रता की जोड़ी ने हिंदी और अंग्रेे विभाग के रजत शर्मा और सौम्या तिवारी की जोड़ी को हरा दिया।

भारतीय दर्शन के छात्र सौरभ और योग विभाग की आकांक्षा की जोड़ी ने चीनी भाषा विभाग के राहुल और अंशू की जोड़ी को हरा कर मुकाबला जीता। तीनों ही वर्ग में कै रम के कल फाइनल मुकाबले होंगे। छात्रों के टेबिल टेनिस के एकल मुकाबले में संयुक्त टीम के आमिर अहमद खान ने चीनी भाषा के छात्र रश्मि रंजन को हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में योग विभाग के आयुष आचार्य ने संस्कृत विभाग के अविनाश को हरा दिया। छात्राओं के टेबिल टेनिस के एकल मुकाबलों में संयुक्त टीम की छात्रा नताशा ने चीनी भाषा विभाग की सिमरन को और दूसरे मुकाबले में योग विभाग की मीना ने संस्कृत विभाग की श्वेता को हराया। कल टेबिल टेनिस के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। टीम इवेंट में पहले दिन वॉलीबॉल के दो मुकाबले हुए।

संस्कृत विभाग की टीम ने संयुक्त टीम को हरा दिया जबकि दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा की टीम ने रोचक मुकाबले में योग विभाग की टीम को हराया। पहले दिन क्रिकेट का एक मात्र मैच चीनी भाषा और संस्कृत भाषा की टीमों के मध्य खेला गया।

दैनिक जागरण रायसेन
भोपाल, 8 फरवरी 2019

कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी ने बैडमिंटन खेलकर किया वार्षिक खेलों का शुभारंभ

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में तृतीय वार्षिक खेलों के पहले दिन कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। संस्कृति विभाग की सचिव तथा विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी ने वार्षिक खेलों का शुभारंभ खिलाड़ियों को शपथ एवं बेडमिंटन खेलकर की। कुलपति श्रीमती रेनू तिवारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण के ज़रिए छात्रों में जोश भर दिया। उन्होने कहा कि छात्र के जीवन में पढ़ने से ज़्यादा खेल ज़रूरी हैं, क्योंकि पढ़ाई करने से सिर्फ बौद्धिक विकास होता है जबकि खेलों से संपूर्ण विकास होता है। श्रीमति तिवारी ने छात्रों से ज्यादा छात्राओं को खेलों में हिस्सा लेने की वकालत करते हुए तर्क दिया कि मज़बूत देश के लिए आवश्यक है कि उसकी 50 प्रतिशत महिला आबादी भी सशक्त और मज़बूत हो। पहले दिन विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और क्रिकेट के मुक़ाबले आयोजित किए गए। टीम इवेंट में पहले दिन वॉलीबॉल के दो मुकाबले हुए। संस्कृत विभाग की टीम ने संयुक्त टीम को हरा दिया जबकि दूसरे मुकाबले में चीनी भाषा की टीम ने रोचक मुकाबले में योग विभाग की टीम को हराया। पहले दिन क्रिकेट का एक मात्र मैच चीनी भाषा और संस्कृत भाषा की टीमों के मध्य खेला गया।

रायसेन जिला हरिभूमि 14
भोपाल, शुक्रवार 8 फरवरी 2019

सांची विवि के वार्षिक खेलों का शुभारंभ

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में तृतीय वार्षिक खेलों के पहले दिन कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। संस्कृति विभाग की सचिव तथा विश्वविद्यालय की कुलपति रेनू तिवारी ने वार्षिक खेलों का शुभारंभ खिलाड़ियों को शपथ एवं बेडमिंटन खेलकर की।

कुलपति रेनू तिवारी ने अपने अध्यक्षीय भाषण के जरिए छात्रों में जोश भर दिया। उन्होने कहाकि छात्र के जीवन में पढ़ने से ज्यादा खेल जरूरी हैं, क्योंकि पढ़ाई करने से सिर्फ बौद्धिक विकास होता है, जबकि खेलों से संपूर्ण विकास होता है। श्रीमति तिवारी ने छात्रों से ज्यादा छात्राओं को खेलों में हिस्सा लेने की वकालत करते हुए तर्क दिया कि मजबूत देश के लिए आवश्यक है कि उसकी 50 प्रतिशत महिला आबादी भी सशक्त और मजबूत हो।

पहले दिन विभिन्न विभागों के छात्रों के बीच शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस और क्रिकेट के मुकाबले आयोजित किए गए। छात्रों के शतरंज के मुकाबले में चीनी भाषा विभाग के आदित्य ने वैदिक विभाग के नितिन कुमार को हराया जबकि योग विभाग के मोहित कोष्टा ने भारतीय दर्शन विभाग के विनय तिवारी को हराया। छात्राओं के चेस मुकाबलों में अंग्रेजी विभाग की छात्रा मुस्कान सोलंकी ने चीनी भाषा विभाग की निधि को हराया। वहीं वैदिक विभाग की दूसरी छात्रा श्वेता योग विभाग की छात्रा नम्रता चौहान से हार गईं।

- कुलपति तिवारी ने बैडमिंटन खेलकर किया शुरूआत

TheHitavada
BHOPAL ■ Friday ■ February 8 ■ 2019
CityLine

Third annual sports inaugurated at Sanchi University

■ **Staff Reporter**

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies' Vice Chancellor Renu Tiwari addressing on the inauguration of Third Annual Sports on Thursday.

Badminton players of boys' and girls' category playing matches on first day of 3rd Annual Sports at Sanchi University of Buddhist-Indic Studies on Thursday.

VICE-CHANCELLOR Renu Tiwari inaugurated the 3rd Annual Sports at Sanchi University of Buddhist-Indic Studies on Thursday. Vice Chancellor Renu Tiwari addressing on the occasion encouraged the students.

Tiwari said that sports is more important than study in the life of students because study only helps in mental development but sports helps in all over development of body and mind. Vice Chancellor Tiwari advocating the sports reasoned that strengthening the 50 percent women population is necessary for a strong country.

Vice Chancellor said that the students must dream and use full potential to fulfill their dreams. She said that even after study if a student remains without manners, etiquettes, values, disciplines and could not become a good citizen then the study is useless.

Dean Dr Naveen Mehta said that sports give security and self-confidence so every student should play in the playground well.

Matches of chess, carom, volleyball, table-tennis and cricket were played on the first day. In Chess, Aditya of Chinese Language Department defeated Nitin Kumar of Vedic Department whereas Mohit Koshta of Yoga Department defeated Vinay Tiwari of Indian Philosophy Department. Similarly, Muskan Solanki of English Department defeated Nidhi of Chinese Language Department and Shweta of Yoga Department defeated Namrata Chouhan. Semi-final and final matches will be held on Friday.

In carom boys' doubles category, Nano Singh and Mayarshung of Chinese Department defeated Ashok and Pramod of Hindi and Indian Philosophy Department and in another doubles, Sourabh Mandal of Indian Painting Department and Deepak Arya of Vedic Department defeated Shivansh and Prashant of Yoga Department.

In Table Tennis, Natasha defeated Simran of Chinese Language Department and Meena of Yoga Department defeated Shweta of Sanskrit Department. Semi-final and final matches will be played on Friday. The only cricket match was played between the teams of Chinese Language Department and Sanskrit Language Department.

प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय का खेल चैंपियन बना चीनी भाषा विभाग

- **क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम और रस्साकशी पर किया कब्ज़ा**
- **विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेलों का समापन**
- **कैरम के छात्राओं वर्ग के डबल्स में जीती चीनी भाषा विभाग टीम**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैंपियन रहा। टीम इवेंट्स के क्रिकेट, वॉलीबॉल और रस्साकशी, कैरम और बैडमिंटन डबल्स के मुकाबलों पर चीनी भाषा विभाग ने जीत दर्ज की। चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों का अन्य एकल एवं डबल मुकाबलों में भी दबदबा रहा। छात्रों के वर्ग में **एथलेटिक्स** की प्रतियोगिता भी चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों ने जीती। कैरम के छात्राओं के डबल्स मुकाबले पर भी चीनी विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता।

दूसरे और अंतिम दिन कैरम, चैस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। सुबह सबसे पहले योग विभाग और कॉमन टीम के बीच क्रिकेट का **सेमीफाइनल** खेला गया जिसमें योग विभाग की टीम ने रोचक मुकाबले में कॉमन टीम को एक रन से हरा दिया। आखिरी गेंद पर कॉमन टीम को जीत के लिए 2 रनों की ज़रूरत थी लेकिन कॉमन टीम के बल्लेबाज़ बॉल बीट कर गए।

सेमीफाइनल मुकाबले में जीतने वाली योग विभाग की टीम का फाइनल **मुकाबला** चीनी भाषा विभाग की टीम से हुआ। योग विभाग की टीम 8 ओवर के इस मैच में 6 विकेट खोकर मात्र 54 रनों का लक्ष्य ही खड़ा कर सकी। दूसरी बल्लेबाज़ी करने उतरी चीनी भाषा की टीम ने आसानी से मात्र 2 विकेट खोकर चौथे ओवर में ही अपना लक्ष्य हासिल कर लिया।

शतरंज के मुकाबलों में छात्रों के वर्ग में चैंपियन रहे योग विभाग के मोहित कोष्ठा उन्होंने फाइनल में चीनी भाषा विभाग के आदित्य तिवारी को हराया। छात्राओं के शतरंज के मुकाबले में योग विभाग की नम्रता ने अंग्रज़ी विभाग की मुस्कान सोलंकी को हराकर खिताब जीता।

वॉलीबॉल का मुकाबला जीता चीनी भाषा विभाग की टीम ने। पांच मैचों के फाइनल्स में चीनी भाषा विभाग की टीम ने कॉमन टीम को 3 मैचों में हराया। **एथलेटिक्स** 100 मीटर के छात्रों और छात्राओं के मुक़ाबले में छात्राओं की स्प्रिंट को योग विभाग की ज्योति ने जीता। छात्रों की 100 मीटर दौड़ को जीता चीनी भाषा विभाग के अजय ने, दूसरा स्थान हासिल किया योग विभाग के रंजीत ने, तीसरे नंबर पर रहे इंडियन पेंटिंग विभाग के प्रतीक।

सबसे रोमांचक मुकाबला हुआ **रस्साकशी** का। रस्साकशी में चार टीमों ने हिस्सा लिया। चीनी भाषा विभाग की टीम ने फाइनल मुकाबला जीता। सभी टीमों में 7 छात्र और एक छात्रा रखी गई थीं।

बैडमिंटन के छात्रा वर्ग के सिंगल्स मुकाबले को जीता योग विभाग की मेघा ने। मेघा ने कॉमन टीम की सुनीता को हराया। जबकि छात्रा वर्ग के ही युगल मुकाबलों में चैंपियन रही अंग्रेज़ी विभाग की टीम। नताशा और मुस्कान की जोड़ी ने चीनी भाषा विभाग की जोड़ी निधि और पुष्पलता को हराया। बैडमिंटन के छात्रों के सिंगल्स मुक़ाबले में बौद्ध अध्ययन विभाग के ली दिन ने योग विभाग के सूरज को हराकर चैंपियनशिप पर कब्ज़ा किया। और छात्रों के बैडमिंटन डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की टीम के आदित्य और रंजन ने कॉमन विभाग की टीम के आमिर अहमद और विनय की जोड़ी को हराया।

टेबिल टेनिस के छात्रों के वर्ग के चैंपियन रहे अंग्रेजी विभाग के आमिर अहमद खान। आमिर ने योग विभाग के छात्रा आयुष को हराया। जबकि टेबल टेनिस के छात्राओं के वर्ग में अंग्रेज़ी विभाग की छात्रा नताशा ने योग विभाग की मीना को हराकर खिताब पर कब्ज़ा किया।

कैरम के छात्रों के डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की नानाओ सिंह और टी मायारसंग की जोड़ी ने कॉमन टीम ने सौरव मंडल और भंते लखपाल की टीम को हराया। छात्राओं के कैरम के डबल्स मुक़ाबलों में चीनी भाषा विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता। उन्होंने भारतीय चित्रकारी विभाग की श्वेता और आकांक्षा की जोड़ी को हराया। कैरम के मिक्स मुकाबलों में इंडियन पेंटिंग विभाक के सौरव और आकांक्षा की जोड़ी ने योग विभाग के प्रशांत और नम्रता की जोड़ी को हराया।

सांची विश्वविद्यालय के तीसरे वार्षिक खेलों के समापन समारोह में कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने विजेता खिलाडियों एवं टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होने कहा कि खेलों से व्यक्तित्व विकास होता है और अध्ययन के साथ खुद को स्वस्थ रखने में खेल बहुत सहायक है। उन्होने कहा कि खेलों से स्फूर्ति मिलती है जो कि हमें अध्ययन के दौरान ध्यान केंद्रित करने में सहायक होती है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक खेल श्री विवेक पांडे ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक जागरण रायसेन
भोपाल, 9 फरवरी 2019

सांची विश्वविद्यालय का खेल चैंपियन बना चीनी भाषा विभाग

विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेलों का हुआ समापन, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम और रस्साकशी पर किया कब्जा

जागरण, रायसेन

भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैंपियन रहा। टीम इवेंट्स के क्रिकेट, वॉलीबॉल और रस्साकशी, कैरम और बैडमिंटन डबल्स के मुकाबलों पर चीनी भाषा विभाग ने जीत दर्ज की। चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों का अन्य एकल एवं डबल मुकाबलों में भी दबदबा रहा। छात्रों के वर्ग में एथलेटिक्स की प्रतियोगिता भी चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों ने जीती। कैरम के छात्राओं के डबल्स मुकाबले पर भी चीनी विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता।

दूसरे और अंतिम दिन कैरम, चैस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। सुबह सबसे पहले योग विभाग और कॉमन टीम के बीच क्रिकेट का सेमीफाइनल खेला गया जिसमें योग विभाग की टीम ने रोचक मुकाबले में कॉमन टीम को एक रन से हरा दिया। फाइनल मुकाबला योग विभाग एवं चीनी भाषा विभाग की टीम के बीच हुआ। चीनी भाषा की टीम ने यह मैच आसानी से मात्र 2 विकेट खोकर जीत लिया। शतरंज के मुकाबलों में छात्रों के वर्ग में चैंपियन रहे योग विभाग के मोहित कोष्ठा, छात्राओं के शतरंज के मुकाबले में योग विभाग की नम्रता, वॉलीबॉल का मुकाबला चीनी भाषा विभाग की टीम ने जीता। एथलेटिक्स 100 मीटर के छात्रों और छात्राओं के मुक़ाबले में छात्राओं की स्प्रिंट को योग विभाग की ज्योति ने जीता। छात्रों की 100 मीटर दौड़ को जीता चीनी भाषा विभाग के अजय ने। रस्साकशी में चार टीमों ने हिस्सा लिया। चीनी भाषा विभाग की टीम ने फाइनल मुकाबला जीता। बैडमिंटन के छात्रा वर्ग के सिंगल्स मुकाबले को योग विभाग की मेघा ने जीता। जबकि छात्रा वर्ग के ही युगल मुकाबलों में चैंपियन रही अंग्रेज़ी विभाग की टीम। नताशा और मुस्कान की जोड़ी ने चीनी भाषा विभाग की जोड़ी निधि और पुष्पलता को हराया। बैडमिंटन के छात्रों के सिंगल्स मुक़ाबले में बौद्ध अध्ययन विभाग के ली दिन ने कब्ज़ा किया। छात्रों के बैडमिंटन डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की टीम के आदित्य और रंजन ने जीत हासिल की।

इसी तरह टेबिल टेनिस के विजेता अंग्रेजी विभाग के आमिर अहमद खान। जबकि टेबल टेनिस के छात्राओं के वर्ग में अंग्रेज़ी विभाग की छात्रा नताशा ने योग विभाग की मीना को हराकर खिताब पर कब्ज़ा किया। कैरम के छात्रों के डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की नानाओ सिंह और टी मायारसंग की जोड़ी, डबल्स मुक़ाबलों में चीनी भाषा विभाग की छात्राओं निधि और अंशू, कैरम के मिक्स मुकाबलों में इंडियन पेंटिंग विभाक के सौरव और आकांक्षा की जोड़ी ने जीत दर्ज की।

खेलों से व्यक्तित्व का विकास होता है

सांची विश्वविद्यालय के तीसरे वार्षिक खेलों के समापन समारोह में कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने विजेता खिलाडियों एवं टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होने कहा कि खेलों से व्यक्तित्व विकास होता है और अध्ययन के साथ खुद को स्वस्थ रखने में खेल बहुत सहायक है। उन्होने कहा कि खेलों से स्फूर्ति मिलती है जो कि हमें अध्ययन के दौरान ध्यान केंद्रित करने में सहायक होती है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक खेल श्री विवेक पांडे ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया।

विदिशा रायसेन नवदुनिया सिटी
शनिवार 09 फरवरी 2019

आयोजन सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव का हुआ समापन

वार्षिक खेलों में चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैम्पियन रहा। टीम इवेंट्स के क्रिकेट, वॉलीबॉल और रस्साकशी, कैरम और बैडमिंटन डबल्स के मुकाबलों पर चीनी भाषा विभाग ने जीत दर्ज की। चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों का अन्य एकल एवं डबल मुकाबलों में भी दबदबा रहा। छात्रों के वर्ग में एथलेटिक्स की प्रतियोगिता भी चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों ने जीती। कैरम के छात्राओं के डबल्स मुकाबले पर भी चीनी विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता। दूसरे और अंतिम दिन कै रम, चैस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। सुबह सबसे पहले योग विभाग और कॉमन टीम के बीच क्रिकेट का सेमीफाइनल खेला गया, जिसमें योग विभाग की टीम ने रोचक मुकाबले में कॉमन टीम को एक रन से हरा दिया। आखिरी गेंद पर कॉमन टीम को जीत के लिए 2 रनों की जरूरत थी लेकिन कॉमन टीम के बल्लेबाज बॉल बीट कर गए।

रायसेन। विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेलों के दौरान आयोजित दौड़ में भाग लेती हुई छात्राएं।

सेमीफाइनल मुकाबले में जीतने वाली योग विभाग की टीम का फाइनल मुकाबला चीनी भाषा विभाग की टीम से हुआ। योग विभाग की टीम 8 ओवर के इस मैच में 6 विकेट खोकर मात्र 54 रनों का लक्ष्य ही खड़ा कर सकी। दूसरी बल्लेबाी करने उतरी चीनी भाषा की टीम ने आसानी से मात्र 2 विकेट खोकर चौथे ओवर में ही अपना लक्ष्य हासिल कर लिया।

शतरंज के मुकाबलों में छात्रों के वर्ग में चैम्पियन रहे योग विभाग के मोहित कोष्ठा उन्होंने फाइनल में चीनी भाषा विभाग के आदित्य तिवारी को हराया। छात्राओं के शतरंज के मुकाबले में योग विभाग की नम्रता ने अंग्रजी विभाग की मुस्कान सोलंकी को हराकर खिताब जीता। वॉलीबॉल का मुकाबला जीता चीनी भाषा विभाग की टीम ने जीता। पांच मैचों के फाइनल्स में चीनी भाषा विभाग की टीम ने कॉमन टीम को 3 मैचों में हराया। एथलेटिक्स 100 मीटर के छात्रों और छात्राओं के मुकाबले में छात्राओं की स्प्रिंट को योग विभाग की ज्योति ने जीता। छात्रों की 100 मीटर दौड़ को जीता चीनी भाषा विभाग के अजय ने, दूसरा स्थान हासिल किया योग विभाग के रंजीत ने, तीसरे नंबर पर रहे इंडियन पेंटिंग विभाग के प्रतीक। सबसे रोमांचक मुकाबला हुआ रस्साकशी का। इसमें चार टीमों ने हिस्सा लिया। चीनी भाषा विभाग की टीम ने फाइनल मुकाबला जीता।

सभी टीमों में 7 छात्र और एक छात्रा रखी गई थीं।

बैडमिंटन के छात्रा वर्ग के सिंगल्स मुकाबले को जीता योग विभाग की मेघा ने। मेघा ने कॉमन टीम की सुनीता को हराया। जबकि छात्रा वर्ग के ही युगल मुकाबलों में चैम्पियन रही अंग्रेजी विभाग की टीम। नताशा और मुस्कान की जोड़ी ने चीनी भाषा विभाग की जोड़ी निधि और पुष्पलता को हराया।

बैडमिंटन के छात्रों के सिंगल्स मुकाबले में बौद्ध अध्ययन विभाग के ली दिन ने योग विभाग के सूरज को हराकर चैम्पियनशिप पर कब किया और छात्रों के बैडमिंटन डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की टीम के आदित्य और रंजन ने कॉमन विभाग की टीम के आमिर अहमद और विनय की जोड़ी को हराया। टेबिल टेनिस के छात्रों के वर्ग के चैम्पियन रहे अंग्रेजी विभाग के आमिर अहमद खान। आमिर ने योग विभाग के छात्रा आयुष को हराया। जबकि टेबल टेनिस के छात्राओं के वर्ग में अंग्रेजी विभाग की छात्रा नताशा ने योग विभाग की मीना को हराकर खिताब पर कब कि या। कैरम के छात्रों के डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की नानाओ सिंह और टी मायारसंग की जोड़ी ने कॉमन टीम ने सौरव मंडल और भंते लखपाल की टीम को हराया। छात्राओं के कैरम के डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता। उन्होंने भारतीय चित्रकारी विभाग की श्वेता और आकांक्षा की जोड़ी को हराया। कैरम के मिक्स मुकाबलों में इंडियन पेंटिंग विभाक के सौरव और आकांक्षा की जोड़ी ने योग विभाग के प्रशांत और नम्रता की जोड़ी को हराया। सांची विश्वविद्यालय के तीसरे वार्षिक खेलों के समापन समारोह में कु लसचिव अदिति कु मार त्रिपाठी ने विजेता खिलाडियों एवं टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि खेलों से व्यक्तित्व विकास होता है और अध्ययन के साथ खुद को स्वस्थ रखने में खेल बहुत सहायक है।

पत्रिका CITY LIVE
Bhopal . Saturday 09/02/2019

सांची विवि का खेल चैंपियन बना चीनी भाषा विभाग

भोपाल ◆ सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैंपियन रहा। टीम इवेंट्स के क्रिकेट, वॉलीबॉल और रस्साकशी, कैरम और बैडमिंटन डबल्स के मुकाबलों पर चीनी भाषा विभाग ने जीत दर्ज की। चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों का अन्य एकल एवं डबल मुकाबलों में भी दबदबा रहा। छात्रों के वर्ग में एथलेटिक्स की प्रतियोगिता भी चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों ने जीती। कैरम के छात्राओं के डबल्स मुकाबले पर भी चीनी विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता।

हरिभूमि
शनिवार 9 फरवरी 2019

कैरम और रस्साकशी पर किया कब्जा

सांची विश्वविद्यालय का खेल चैंपियन बना चीनी भाषा विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैंपियन रहा। टीम इवेंट्स के क्रिकेट, वॉलीबॉल और रस्साकशी, कैरम और बैडमिंटन डबल्स के मुकाबलों पर चीनी भाषा विभाग ने जीत दर्ज की।

दूसरे और अंतिम दिन शतरंज, रस्साकशी, बैडमिंटन, कैरम, चैस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। सुबह सबसे पहले योग विभाग और कॉमन टीम के बीच क्रिकेट का सेमीफाइनल खेला, जिसमें योग विभाग की टीम ने रोचक मुकाबले में कॉमन टीम को एक रन से हरा दिया। आखिरी गेंद पर कॉमन टीम को जीत के लिए 2 रनों की जरूरत थी लेकिन कॉमन टीम के बल्लेबाज बॉल बीट कर गए। सेमीफाइनल मुकाबले में जीतने वाली योग विभाग की टीम का फाइनल मुकाबला चीनी भाषा विभाग की टीम से हुआ। योग विभाग की टीम 8 ओवर के इस मैच में 6 विकेट खोकर मात्र 54 रनों का लक्ष्य ही खड़ा कर सकी। दूसरी बल्लेबाजी करने उतरी चीनी भाषा की टीम ने आसानी से मात्र 2 विकेट खोकर चौथे ओवर में ही अपना लक्ष्य हासिल कर लिया।

सांची विश्वविद्यालय के तीसरे वार्षिक खेलों के समापन समारोह में कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने विजेता खिलाडियों एवं टीमों को पुरस्कृत किया।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
भोपाल, शनिवार 9 फरवरी 2019

खेल उत्सव

कई प्रतियोगिता आयोजित कर तृतीय वार्षिक खेल उत्सव का हुआ समापन

सांची विवि में खेल उत्सव में चैंपियन रहा चीनी भाषा विभाग

रायसेन, 8 फरवरी। जिला मुख्यालय के समपीस्थ ग्राम बारला में स्थिति सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तृतीय वार्षिक खेल महोत्सव में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैंपियन रहा। टीम इवेंट्स के क्रिकेट, वॉलीबॉल और रस्साकशी, कैरम और बैडमिंटन डबल्स के मुकाबलों पर चीनी भाषा विभाग ने जीत दर्ज कराई। चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों का अन्य एकल एवं डबल मुकाबलों में भी दबदबा रहा।

छात्रों के वर्ग में एथलेटिक्स की प्रतियोगिता भी चीनी भाषा विभाग के खिलाड़ियों ने जीती। कैरम के छात्राओं के डबल्स मुकाबले पर भी चीनी विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता। दूसरे और अंतिम दिन कैरमए चैस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। वहीं शतरंज के मुकाबलों में छात्रों के वर्ग में चैंपियन रहे योग विभाग के मोहित कोष्ठा उन्होंने फाइनल में चीनी भाषा विभाग के आदित्य तिवारी को हराया। छात्राओं के शतरंज के मुकाबले में योग विभाग की नम्रता ने अंग्रेज़ी विभाग की मुस्कान सोलंकी को हराकर खिताब जीता। सांची विश्वविद्यालय के तीसरे वार्षिक खेलों के समापन समारोह में कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने विजेता खिलाडियों एवं टीमों को पुरस्कृत किया। उन्होने कहा कि खेलों से व्यक्तित्व विकास होता है और अध्ययन के साथ खुद को स्वस्थ रखने में खेल बहुत सहायक है। उन्होने कहा कि खेलों से स्फूर्ति मिलती है जो कि हमें अध्ययन के दौरान ध्यान केंद्रित करने में सहायक होती है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक खेल विवेक पांडे ने आभार ज्ञापित किया।

रोमांचक हुआ रस्साकशी का मुकाबला

खेल उत्सव में सबसे रोमांचक मुकाबला रस्साकशी का हुआ। जिसमें चार टीमों ने हिस्सा लिया। चीनी भाषा विभाग की टीम ने फाइनल मुकाबला जीता। सभी टीमों में 7 छात्र और एक छात्रा रखी गई थीं। कैरम के छात्रों के डबल्स मुकाबलों में चीनी भाषा विभाग की नानाओ सिंह और टी मायारसंग की जोड़ी ने कॉमन टीम ने सौरव मंडल और भंते लखपाल की टीम को हराया। छात्राओं के कैरम के डबल्स मुक़ाबलों में चीनी भाषा विभाग की छात्राओं निधि और अंशू ने जीता।

प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय में जैविक पद्धति से उगाए फूलों से महके बाग

- **"ज़हर नहीं दवा है पौधों के लिए जैविक खेती"-कृपाल सिंह वर्मा**
- **जैविक पद्धति के कारण सूरजमुखी का 6-8 फीट ऊंचा पौधा**
- **खरपतवार, घास-फूस को सड़ा कर बनाई खाद**
- **जैविक खेती के कारण आ रहे हैं विलुप्त पक्षी और कीट**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार है। आर्गेनिक (जैविक) पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रैड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डाग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है।

विश्वविद्यालय के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है। जैविक पद्धति में रसायन और कीटनाशक नहीं डाले गए बल्कि खरपतवार और जैविक कचरे को सड़ाकर बाग की जमीन तैयार की गयी है। विश्वविद्यालय में फूलों के अलावा जंगली फूलों को भी संरक्षित किया गया हैं, जिनमें कई जंगली फूल सजावटी हैं।

सांची विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक श्री कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों को अपघटित(सड़ा) कर सबसे पहले खाद बनाई गई। पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई जिससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं।

श्री वर्मा के अनुसार पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों की पत्तियों, नीम, करंज, आंकड़ा आदि की पत्तियों के स्वरस का समय-समय पर पौधों पर छिड़काव किया गया। नीम के तेल को पौधों पर छिड़का गया। जैविक पद्धति के कारण ज़मीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां और कीट आते हैं जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं। साथ ही विश्वविद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार की विलुप्त हो रहे पक्षी भी लगातार आ रहे हैं।

जागरण Lake सिटी

दैनिक जागरण 22 फरवरी, 2019 www.jagranmp.com/epaper

फूलों से महका बाग

सांची विश्वविद्यालय में जैविक पद्धति से उगाए फूल

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

- **जैविक पद्धति के कारण सूरजमुखी का 6-8 फीट ऊंचा पौधा**
- **खरपतवार, घास-फूस को सड़ा कर बनाई खाद**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार है। आर्गेनिक (जैविक) पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रैड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डॉग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है। विश्वविद्यालय के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है। जैविक पद्धति में रसायन और कीटनाशक नहीं डाले गए बल्कि खरपतवार और जैविक कचरे को सड़ाकर बाग की जमीन तैयार की गई है। विश्वविद्यालय में फूलों के अलावा जंगली फूलों को भी संरक्षित किया गया हैं, जिनमें कई जंगली फूल सजावटी हैं। सांची विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों को अपघटित(सड़ा) कर सबसे पहले खाद बनाई गई। पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई जिससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं।

नीम के तेल का पौधों पर छिड़काव : श्री वर्मा के अनुसार पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों की पत्तियों, नीम, करंज, आंकड़ा आदि की पत्तियों के स्वरस का समय-समय पर पौधों पर छिड़काव किया गया। नीम के तेल को पौधों पर छिड़का गया। जैविक पद्धति के कारण जमीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां और कीट आते हैं जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं। साथ ही विश्वविद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार की विलुप्त हो रहे पक्षी भी लगातार आ रहे हैं।

पिपलानी में लूट, बंटी-बबली को तलाशने में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पिपलानी थाना इलाके में दिनदहाड़े घर में घुसकर हुई लूट के मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। तो वहीं गोविंदपुरा थाना क्षेत्र में भेलकर्मी महिला के साथ लूट करने वाले बंटी - बबली की तलाश में पुलिस टीम जुट गई है। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने एक एसआईटी का गठन भी किया है। फिलहाल पुलिस अभी पड़ताल ही कर रही है, उसे कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है।

एसआईटी कर रही छानबीन

पुलिस के मुताबिक नेहरू मार्केट के पास रहने वाली 53 वर्षीय अन्नमा अब्राहम भेल सोसाइटी में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। वह सोमवार शाम को घर पर ही थी, तब ही पड़ोसी बनकर उनके घर युवक - युवती आए और नशीला पदार्थ सूंघाकर उन्हें बेहोश कर दिया था। चेहरे पर केमिकल लग जाने से अन्नमा को चेहरा झुलस गया। इस मामले में थाना स्तर पर एक एसआईटी का गठन किया गया है, जो कि पूरे मामले की छानबीन कर रही है। वहीं पिपलानी के इंद्रपुरी में 69 वर्षीय मीना कपूर के साथ हुई लूटपाट के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू कर दिया।

जैविक पद्धति से उगाए फूलों से महक रहे बाग

सांची विश्वविद्यालय....

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में इन दिनों ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार है। आर्गेनिक (जैविक) पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रैड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डाग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है। विवि के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है।

- जैविक खेती के कारण लुप्त हो रहे पक्षी और कीट
- विश्वविद्यालय के उद्यान में घास-फूस के अवशेषों को सड़ा कर बनाई जा रही खाद

सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए

सांची विवि के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विवि के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों को अपघटित(सड़ा) कर सबसे पहले खाद बनाई गई। पौधे को पोषण देने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई, जिससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं। वर्मा के अनुसार पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रजातियों के पेड़ पौधों की पत्तियों, नीम, करंज, आंकड़ा आदि का पौधों पर छिड़काव किया गया। अब जैविक पद्धति के कारण जमीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां कीट आते हैं जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं। अब विभिन्न प्रकार की विलुप्त हो रहे पक्षी भी लगातार आने लगे हैं।

नवदुनिया
लाइव
भोपाल, शुक्रवार 22 फरवरी 2019
www.naidunia.com

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में खरपतवार, घास-फूस से बनाई खाद

ये जैविक पद्धति से उगाए फूल हैं

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार है। आर्गेनिक (जैविक) पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रेड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डाग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है।

विवि के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है। जैविक पद्धति में रसायन और कीटनाशक नहीं डाले गए, बल्कि खरपतवार और जैविक कचरे को सड़ाकर बाग की जमीन तैयार की गई है। विश्वविद्यालय में फूलों के अलावा जंगली फूलों को भी संरक्षित किया गया हैं, जिनमें कई जंगली फूल सजावटी हैं।

जैविक पद्धति के कारण सूरजमुखी का 6-8 फीट ऊंचा पौधा

विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विवि के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों को अपघटित (सड़ा) कर सबसे प हले खाद बनाई गई। पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई, जिससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं।

बाग में खिले रेड हिबिस्कस के फूल।

पीले रंग ट्यूलिप के फूल बने आकर्षण।

खिलखिलाए गुलाबी रंग केसर के फूल।

आभा बिखेरता पर्पल रंग का वन औषधीय फूल।

फूलों का रस लेने के लिए आती है तितलियां, कीट व भंवरे

पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों की पत्तियों, नीम, करंज, आंकड़ा आदि की पत्तियों के स्वरस का समय-समय पर पौधों पर छिड़काव किया गया। नीम के तेल को पौधों पर छिड़का गया। जैविक पद्धति के कारण जमीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां, भंवरे और कीट आते हैं, जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं। साथ ही विवि प्रांगण में विभिन्न प्रकार की विलुप्त हो रहे पक्षी भी लगातार आ रहे हैं।

शुक्रवार 22 फरवरी 2019

रायसेन जिला हरिभूमि 14

सांची विवि में जैविक पद्धति से उगाए विभिन्न प्रजाति के फूलों से महके बाग

हरिभूमि न्यूज ⏩ रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार है। आर्गेनिक (जैविक) पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रैड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डाग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है।

विश्वविद्यालय के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है। जैविक पद्धति में रसायन और कीटनाशक नहीं डाले गए बल्कि खरपतवार और जैविक कचरे को सड़ाकर बाग की जमीन तैयार की गई है। विश्वविद्यालय में फूलों के अलावा जंगली फूलों को भी संरक्षित किया गया हैं, जिनमें कई जंगली फूल सजावटी हैं।

- जहर नहीं दवा है पौधों के लिए जैविक खेती : कृपाल सिंह
- जैविक पद्धति के कारण सूरजमुखी का 6-8 फीट ऊंचा पौधा
- खरपतवार, घास-फूस को सड़ा कर बनाई खाद
- जैविक खेती के कारण आ रहे हैं विलुप्त पक्षी और कीट

फूलों से तितलियां और कीट आते हैं जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक

सांची विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों को अपघटित(सड़ा) कर सबसे पहले खाद बनाई गई। पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई जिससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं। श्री वर्मा के अनुसार पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों की पत्तियों, नीम, करंज, आंकड़ा आदि की पत्तियों के स्वरस का समय-समय पर पौधों पर छिड़काव किया गया। नीम के तेल को पौधों पर छिड़का गया।

जैविक पद्धति के कारण जमीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां और कीट आते हैं जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं।

---

16 नवदुनिया
भोपाल, शुक्रवार 22 फरवरी 2019
रायसेन जिला

जैविक पद्धति से उगाए फूलों से महका विश्वविद्यालय का बाग

सांची। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में इन दिनों जैविक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार है। जैविक पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रेड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डाग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है। विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों से जैविक खाद बनाई गई। पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई। इससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं। श्री वर्मा के अनुसार पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों की पत्तियों, नीम, करंज, आक आदि की पत्तियों के स्वरस का समय-समय पर पौधों पर छिड़काव किया गया। नीम के तेल को पौधों पर छिड़का गया।

इस तरह से नजर आ रहे हैं फूलों के बाग।

जैविक पद्धति के कारण जमीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां और कीट आते हैं, जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं।

22
फरवरी 2019
शुक्रवार
विक्रम 2075, हिजरी 1440,
फाल्गुन कृष्ण तृतीया

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
स्थापना वर्ष : 2009

जैविक पद्धति से उगाए फूलों से महके बाग-बगीचे

सांची विवि की रंगलाई मेहनत, सूरज मुखी के छह फीट लंबे पौधे बढ़ा रहे सुंदरता, जहर नहीं दवा है जैविक खेती

चुन्नीलाल गौर • रायसेन
मो.नं. 9826567067

पीपुल्स समाचार स्पेशल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की इस समय बहार है। ऑर्गेनिक (जैविक) पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रेड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लॉक्स, डाग फ्लॉवर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ, सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के सजावटी फूलों को उगाया गया है। विश्वविद्यालय के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक

दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है। जैविक पद्धति अपनाने हुए यहां पर कोई रसायन और कीटनाशक नहीं उपयोग किए गए हैं। यहां पर पहले खरपतवार और जैविक कचरे को सड़ाकर बाग की जमीन तैयार की गई है।

जंगली फूल किए संरक्षित

विश्वविद्यालय में फूलों और जंगली फूलों को भी संरक्षित किया है। जिनमें कई जंगली फूल सजावटी हैं। सांची विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशक कृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास-फूस के अवशेषों को अपघटित (सड़ा) कर सबसे पहले खाद बनाई गई है। इन पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफली की खली डाली गई है। इससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट तक ऊंचे उगे हुए हैं।

फूलों को कीटों से बचाने के लिए छिड़का पेड़ों का रस

वर्मा के अनुसार पौधों की सुरक्षा के लिए विभिन्न पेड़-पौधों नीम, करंज, आंकड़ा की पत्तियों के स्वरस का समय-समय पर पौधों पर छिड़काव किया गया। नीम के तेल को पौधों पर छिड़का। जैविक पद्धति के कारण जमीन में केंचुए और फूलों पर रस लेने के लिए तितलियां और कीट आते हैं, जो कि प्रकृति के लिए लाभदायक हैं। साथ ही विश्वविद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के विलुप्त हो रहे पक्षी भी लगातार आ रहे हैं।

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन
राष्ट्रीय हिन्दी मेल
डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2017-19
न दबाव, न भेदभाव
भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित
भोपाल, शुक्रवार 22 फरवरी 2019

देशी-विदेशी फूलों की खुशबू से महक रहा सांची विश्वविद्यालय

महाविद्यालय परिसर में जैविक पद्धति से उगाए फूलों की हो रही खेती

निज संवाददाता

रायसेन, 21 फरवरी। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम बारला में संचालित हो रहा सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में ऑर्गेनिक पद्धति से उगाए गए फूलों की बहार आ गई है जो आने वाले हर व्यक्ति को अपनी और आकर्षित कर रही है।

महाविद्यालय परिसर में आर्गेनिक जैविकद्ध पद्धति से स्वीट सुल्तान, लाइनेरिया, रैड कैलिफोर्निया पॉपी, आइसलैंड पॉपी, लास्पर, कैलेंड्यूला, स्टार फ्लाक्स, डाग फ्लावर, होली हॉक, आर्क पोटिस, पैंजी, कैंडीटफ्फ सूरजमुखी जैसी प्रजातियों के

सजावटी फूलों की खेती जैविक पद्धति से की जा रही है। विश्वविद्यालय के जैविक उद्यान में बगैर रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर फूलों और अन्य पौधों को लगाया गया है। जैविक पद्धति में रसायन और कीटनाशक नहीं डाले गए बल्कि खरपतवार और जैविक कचरे को सड़ाकर बाग की जमीन तैयार की गई है। विश्वविद्यालय में फूलों अलावा जंगली फूलों को भी संरक्षित किया गया हैं।

विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के सहायक निदेशककृपाल सिंह वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के उद्यान में भूमि पर खरपतवार, घास.फूस के अवशेषों को अपघटित कर सबसे पहले खाद बनाई गई। पौधे को पोषण प्रदान करने के मकसद से सरसों, अलसी, नीम, कपास, मूंगफ्ली की खली डाली गई जिससे सूरजमुखी के पौधे 6 से 8 फीट ऊंचे हुए हैं।

प्रेस विज्ञप्ति

नागालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

- **सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से किया संवाद**
- **विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों से भी की बातचीत**
- **मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं नागालैंड छात्रों की टीम**
- **नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों का है यह छात्र दल**
- **प्रदेश की संस्कृति और इतिहास के विषय में जाना**

नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र Jessi(जेसी)ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति(Naga Tribes) के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे ITBP (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिज़ोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं।

सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली।

नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली।

नागालैंड के इन छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज़ की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

जागरण Lake सिटी गुरुवार, 28 फरवरी, 2019

नागालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

नागालैंड के 12 छात्रों ने बुधवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र Jessi (जेसी)ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है, जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति (Naga Tribes) के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे ITBP (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिजोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं। नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए।

विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

रायसेन पत्रिका
गुरुवार, 28 फरवरी, 2019

नागालैंड के छात्रों ने जानी प्रदेश की संस्कृति

12 विद्यार्थियों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

रायसेन. सांची युनिवर्सिटी में पहुंचे छात्र।

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक-दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र श्रमेप जेसी ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिज़ोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं।

स्वागत किया

सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ. नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने उद्यान का भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया।

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
iam BHOPAL
भोपाल, गुरुवार 28 फरवरी 2019
13

एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत हुआ स्टूडेंट्स इंटरैक्शन प्रोग्राम

नगालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

आईएम भोपाल • रिपोर्टर
Mobile no. 9893443010

नगालैंड के 12 छात्रों ने बुधवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्यप्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तरपूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे। इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र जेसी ने बताया कि नगालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं।

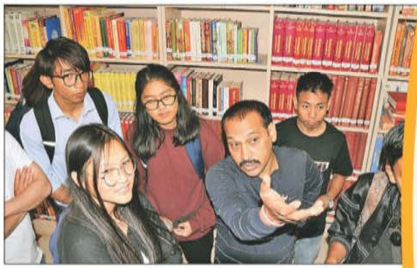

इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नगालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिजोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं। सांची विश्वविद्यालय में नगालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया। नगालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की।

इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली।

नगालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। इन खास पलों को उन्होंने कैमरे में भी कैद किया।

स्टूडेंट्स ने की क्रूज की राइड

विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली। नागालैंड के इन छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज़ की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

16 नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार 28 फरवरी 2019

भ्रमण नागालैंड के पॉलीटेक्निक कॉलेजों से चयनित 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे

संवाद में नागालैंड-सांची के छात्रों ने जानी एक-दूसरे की संस्कृति

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

नागालैंड के 12 छात्रों ने बुधवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है।

इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे। इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक-दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र (जेसी)ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रुप से नागा जनजाति के नाम से जाना जाता है। विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं।

रायसेन। नागालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण।

सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ. नवीन मेहता ने किया। इन छात्रों ने केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली। नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत की और विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली।

इन छात्रों को प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

हरिभूमि 13 रायसेन, गुरुवार 28 फरवरी 2019

नागालैंड के छात्र दल ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▸▸रायसेन।

नागालैंड के 12 छात्रों ने बुधवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्यप्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

खास बातें

- विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों से भी की बातचीत
- मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं नागालैंड छात्रों की टीम
- नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों का है यह छात्र दल
- प्रदेश की संस्कृति और इतिहास के विषय में जाना

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे आईटीबीपी (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिजोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं। सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी।

रायसेन। छात्रों के दल ने विश्वविद्यालय के विभागों में घूमकर ली जानकारी)

नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनं उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशो के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली। इन छात्रों को मप्र सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया है विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार 28 फरवरी 2019

मध्यप्रदेश के भ्रमण पर हैं नगालैंड छात्रों की टीम

सांची विश्वविद्यालय में की सैर नगालैंड के छात्रों ने खाए बेर

सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से किया संवाद

नगालैंड के विभिन्न पॉलिटेक्निकों का है यह छात्र दल

प्रदेश की संस्कृति और इतिहास के विषय में जाना

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

नगालैंड के 12 छात्रों ने बुधवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस मौके पर उन्होंने फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़ कर भी खाए। देशी बेरों का लुत्फ उठाना उत्तर-पूर्व के इन छात्रों के लिए अनूठा अनुभव था। दरअसल, एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्यप्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर-पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नगालैंड के विभिन्न पॉलिटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विवि पहुंचे थे।

सांची विवि परिसर में पेड़ों से तोड़े खट्टे-मीठे बेर दिखाते हुए नगालैंड के छात्र।

विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों से भी की बातचीत

इन छात्रों ने विवि के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक-दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलिटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि शामिल हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र वीजजै (जेसी)ने बताया कि नगालैंड में 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूलरूप से नगा जनजाति(ट्राइब्स) के नाम से जाना जाता है। विवि के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस के जवान टी मयारसंग ने विवि के बारे में नगालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिजोरम के रहने वाले हैं और वे भी नगा जनजाति से हैं। छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ.नवीन मेहता ने किया।

सांची विवि के बाग का अवलोकन करते हुए स्टूडेंट्स।

विशेष अतिथियों की तरह ठहराया गया

इन छात्रों को राज्य सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नगालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

स्वदेश
भोपाल,गुरुवार 28 फरवरी, 2019 | 08

पहल छात्रों ने प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली

नागालैंड के छात्रों ने सांची विवि का भ्रमण कर जाना मप्र का इतिहास

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

नागालैंड के 12 छात्रों ने बुधवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे। इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र जेसी ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिज़ोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं। सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ. नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली।

खट्टे-मीठे बेर का लिया आनंद

नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली। नागालैंड के इन छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज़ की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

सॉची में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम का शुभारंभ 1 मार्च से

प्रदेश में स्थित वर्ल्डर हेरिटेज साइट सॉची स्तूप परिसर सॉची में म.प्र पर्यटन द्वारा आयोजित ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम (लाइट एण्ड साउंड शो) का शुभारंभ शुक्रवार, दिनांक 01 मार्च 2019 को सायं 06.30 बजे मध्य प्रदेश के पयर्टन एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग के मंत्री सुरेन्द्र सिंह बघेल एवं प्रभारी मंत्री रायसेन, हर्ष यादव, प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री, डॉ. प्रभुराम चौधरी के आतिथ्यष में किया जायेगा। यह जानकारी मध्यकप्रदेश पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव हरिरंजन राव ने देते हुए बताया कि प्रदेश में पर्यटन का यह सातवां ध्वजनि एवं प्रकाश कार्यक्रम होगा। इससे पूर्व प्रदेश में 6 अन्या पर्यटन स्थपलों पर भी म.प्र. पर्यटन द्वारा ध्विनि एवं प्रकाश कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं इस शो के माध्यम से सॉची के स्तूपपों, सम्राट अशोक एवं गौतम बुद्ध के जीवन तथा तत्स मय के इतिहास पर प्रकाश डाला गया है इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस ऐतिहासिक नगर के इतिहास और उसके महत्व से पर्यटकों खासकर नई पीढ़ी को परिचित कराना है। श्री राव ने कहा कि पहले सॉची में आने वाले पर्यटकों को सूर्यास्त के बाद किसी प्रकार का मनोरंजन व समय व्यतीत करने के लिए कोई स्थान नहीं था पर इस शो के शुभारंभ से देशी विदेशी पर्यटकों और स्थानीय लोगों को अब इस पर्यटन स्थल पर सूर्यास्त होने के बाद रोजाना शाम को 7 बजे से सॉची में पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिये ध्वोनि एवं प्रकाश कार्यक्रम संचालित किया जायेगा।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
भोपाल, गुरुवार 28 फरवरी 2019 रायसेन

सांची यूनिवर्सिटी में पहुंचा नागालैंड के छात्रों का दल, हुआ स्वागत

मप्र की संस्कृति से रूबरू हो रहे नागालैंड के छात्र-छात्राएं

निज संवाददाता

रासयेन, 27 फरवरी। बुधवार को नागालैंड के 12 छात्रों ने सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत.श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं।

उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ.साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र.छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी भी हासिल की।

दैनिक
खबर अंचल
RNI- MPHIN/2011/41210
रायसेन से प्रकाशित दिन गुरुवार 28 फरवरी 2019

नागालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

दिखाई प्रदेश की संस्कृति-इतिहास में रूचि

दैनिक खबर अंचल,रायसेन।

नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्.ति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र श्रमेप(जेसी)ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्.ति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति(छंहं ज्तपइमे) के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे प्ज्ठच् (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिजोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं। सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्.त, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्.ति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली। नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली। नागालैंड के इन छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

नागालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

By India City News, 27 February, 2019, 15:29

indiacitynews. com

- सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से किया संवाद
- विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों से भी की बातचीत
- मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं नागालैंड छात्रों की टीम
- नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों का है यह छात्र दल
- प्रदेश की संस्कृति और इतिहास के विषय में जाना

रायसेन। नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र Jessi(जेसी)ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति(Naga Tribes) के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे ITBP (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिज़ोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं।

सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया। नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली।

नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली।

नागालैंड के इन छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज़ की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।

Source ¦¦ जनसंपर्क विभाग साँची विश्वविद्यालय

India City news Exclusive

नागालैंड के छात्रों ने किया सांची विश्वविद्यालय का भ्रमण

● ● ● ● ●

ताज़ा खबरें | ज्यादा पढ़ी गई

- » Lok Sabha Election 2019 : अबकी बार किसकी सरकार? बीजेपी-कांग्रेस के राडार पर अन्नदाता!
- » खास है एयर स्ट्राइक पर अमिताभ बच्चन का रिएक्शन, IAF को 118 झंडों से दी सलामी
- » भारतीय कार्रवाई से थर्राया पाकिस्तान का शेयर बाजार, निवेशकों में हाहाकार
- » अपनी इस खूबी के कारण सबसे खतरनाक हो जाते हैं जसप्रीत बुमराह: पैट कमिंस
- » पाकिस्तान के समर्थन में आया तालिबान, भारत से कहा- अब कोई सैन्य कार्रवाई ना करें, वरना...
- » पाकिस्तान ने भारत से बातचीत की अपील की, कहा-हम जंग
- » केजरीवाल ने टाला अनशन तो पुराने दोस्त विश्वास ने इन शब्दों में कसा तंज
- » राजनाथ सिंह ने आज की सुरक्षा पर उच्च स्तरीय बैठक, डोभाल सहित कई अधिकारी रहे मौजद

Markets Live
Powered by rediff MONEYWIZ
Feb 27, 2019
BSE 35,905.43 LIVE -68.28 09:00 16:00
NSE 10,806.65 LIVE -28.65 09:00 15:56
MARKET VOICES : #Adani-Ports-And-Special-Economic-Zone-Ltd #Tata-Motors-Ltd #Maruti-Suzuki-India-Ltd top #Nifty gainers (ET
Enter company or MF Get Quote
Get widget

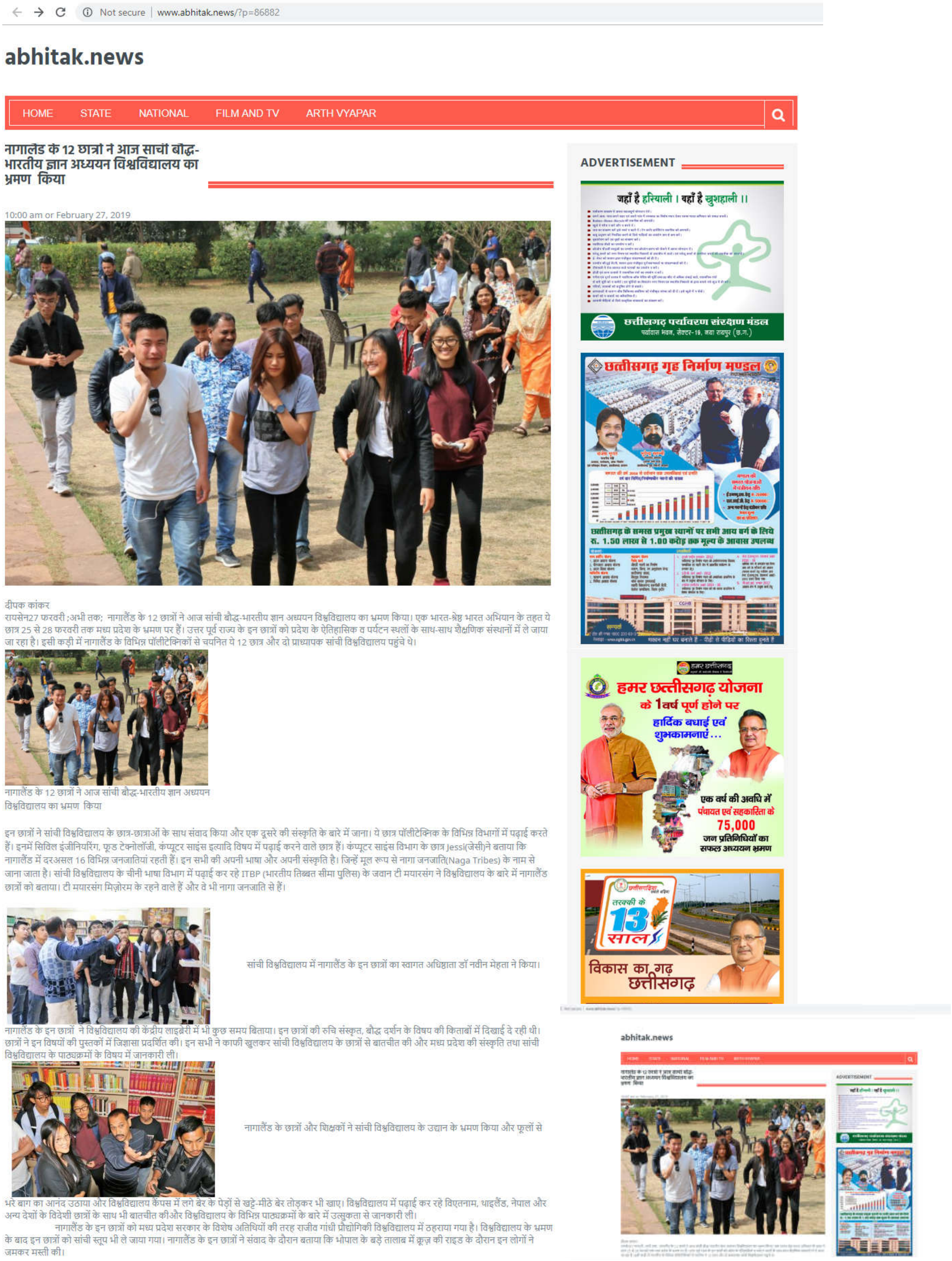
Not secure | www.abhitak.news/?p=86882
abhitak.news
HOME
STATE
NATIONAL
FILM AND TV
ARTH VYAPAR
ADVERTISEMENT
जहाँ है हरियाली । वहाँ है खुशहाली ।।
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
हमर छत्तीसगढ़ योजना
के 1 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
एक वर्ष की अवधि में पंचायत एवं सहकारिता के 75,000 जन प्रतिनिधियों का सफल अध्ययन भ्रमण
तरक्की के 13 साल
विकास का गढ़ छत्तीसगढ़

नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया

10:00 am or February 27, 2019

दीपक कांकर

रायसेन27 फरवरी ;अभी तक; नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत ये छात्र 25 से 28 फरवरी तक मध्य प्रदेश के भ्रमण पर हैं। उत्तर पूर्व राज्य के इन छात्रों को प्रदेश के ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में ले जाया जा रहा है। इसी कड़ी में नागालैंड के विभिन्न पॉलीटेक्निकों से चयनित ये 12 छात्र और दो प्राध्यापक सांची विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

नागालैंड के 12 छात्रों ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का भ्रमण किया

इन छात्रों ने सांची विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया और एक दूसरे की संस्कृति के बारे में जाना। ये छात्र पॉलीटेक्निक के विभिन्न विभागों में पढ़ाई करते हैं। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इत्यादि विषय में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र Jessi(जेसी)ने बताया कि नागालैंड में दरअसल 16 विभिन्न जनजातियां रहती हैं। इन सभी की अपनी भाषा और अपनी संस्कृति है। जिन्हें मूल रूप से नागा जनजाति(Naga Tribes) के नाम से जाना जाता है। सांची विश्वविद्यालय के चीनी भाषा विभाग में पढ़ाई कर रहे ITBP (भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस) के जवान टी मयारसंग ने विश्वविद्यालय के बारे में नागालैंड छात्रों को बताया। टी मयारसंग मिज़ोरम के रहने वाले हैं और वे भी नागा जनजाति से हैं।

सांची विश्वविद्यालय में नागालैंड के इन छात्रों का स्वागत अधिष्ठाता डॉ नवीन मेहता ने किया।

नागालैंड के इन छात्रों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में भी कुछ समय बिताया। इन छात्रों की रुचि संस्कृत, बौद्ध दर्शन के विषय की किताबों में दिखाई दे रही थी। छात्रों ने इन विषयों की पुस्तकों में जिज्ञासा प्रदर्शित की। इन सभी ने काफी खुलकर सांची विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत की और मध्य प्रदेश की संस्कृति तथा सांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में जानकारी ली।

नागालैंड के छात्रों और शिक्षकों ने सांची विश्वविद्यालय के उद्यान के भ्रमण किया और फूलों से भरे बाग का आनंद उठाया और विश्वविद्यालय कैंपस में लगे बेर के पेड़ों से खट्टे-मीठे बेर तोड़कर भी खाए। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे विएतनाम, थाइलैंड, नेपाल और अन्य देशों के विदेशी छात्रों के साथ भी बातचीत कीऔर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली।

नागालैंड के इन छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार के विशेष अतिथियों की तरह राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ठहराया गया है। विश्वविद्यालय के भ्रमण के बाद इन छात्रों को सांची स्तूप भी ले जाया गया। नागालैंड के इन छात्रों ने संवाद के दौरान बताया कि भोपाल के बड़े तालाब में क्रूज़ की राइड के दौरान इन लोगों ने जमकर मस्ती की।